MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-192

अपराध का दुर्दांत

शाबाद हत्याकांड आरोपी मृत

शाबाद (रंगारेड्डी जिला),13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आधी दर्जन मासूम जिंदगियों को बेरहमी से कत्ल कर पूरे तेलंगाना को दहला देने वाले शाबाद हत्याकांड में रविवार को उस समय बड़ा और अप्रत्याशित मोड़ आ गया, जब फरार मुख्य आरोपी राजकुमार का शव रंगा रेड्डी जिले के कोत्तुर मंडल के पंजरला क्षेत्र में मिला। पिछले दो दिनों से पुलिस की कई विशेष टीमें उसकी तलाश में जंगलों, खेतों और आसपास के इलाकों में लगातार सघन सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। लेकिन गिरफ्तारी से पहले ही आरोपी का मृत मिलना पूरे घटनाक्रम को नए सवालों के घेरे में ले आया है। शव मिलने की सूचना मिलते ही फ्यूचर सिटी पुलिस, स्थानीय पुलिस, फॉरेंसिक (क्लूज़) टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और हर पहलू की जांच शुरू कर दी गई। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

राज कुमार पर 2 परिवार के छह लोगों की नृशंस हत्या का आरोप था। इस वारदात ने पूरे राज्य को झकझोर दिया था। घटना के बाद पुलिस ने व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। तकनीकी निगरानी, स्थानीय सूचनाओं और विशेष टीमों की मदद से आरोपी तक पहुंचने की कोशिश लगातार जारी थी। इसी बीच उसका शव बरामद होने से जांच का पूरा घटनाक्रम नए मोड़ पर पहुंच गया।

अब सबसे बड़ा सवाल यही हैक्या गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने आत्महत्या की? क्या उसकी मौत किसी हादसे का परिणाम है? या फिर इसके पीछे कोई और वजह है? फिलहाल इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने अभी तक मौत के कारण को लेकर कोई आधिकारिक निष्कर्ष जारी नहीं किया है।

घटनास्थल पर मुख्य आरोपी राजकुमार के बड़े भाई का बयान भी चर्चा का विषय बना। अपने भाई के कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने कहा, उन छोटे-छोटे बच्चों का क्या कसूर था? उन्होंने किसी का क्या बिगाड़ा था? इस राक्षस को उसके किए की बहुत बड़ी और दर्दनाक सज़ा मिलनी चाहिए थी। पुलिस चाहती तो उसे गोली भी मार सकती थी। अगर आज वे बच्चे ज़िंदा होते, तो मैं उन्हें अपने साथ रखकर पालता और उनका भविष्य संवारता। इतनी आसान मौत उसके लिए काफी नहीं थी।

भाई के इस बयान में अपने भाई के अपराध के प्रति गहरा आक्रोश और मासूम बच्चों की मौत का दर्द साफ झलकता है। हालांकि, यह उनका व्यक्तिगत बयान है और इसे जांच का हिस्सा या आधिकारिक निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए।अब इस बहुचर्चित हत्याकांड में जांच की दिशा बदल चुकी है। जहां एक ओर छह हत्याओं के पीछे की पूरी सच्चाई सामने लाना पुलिस के लिए चुनौती है, वहीं दूसरी ओर मुख्य आरोपी की मौत की परिस्थितियों का खुलासा करना भी उतना ही आवश्यक हो गया है। पूरे तेलंगाना की नजर अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और पुलिस की आधिकारिक रिपोर्ट पर टिकी है। इन्हीं के आधार पर यह स्पष्ट होगा कि आरोपी की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इस बहुचर्चित हत्याकांड के अनुत्तरित सवालों के जवाब क्या हैं?

फिलहाल इतना तय है कि इस दर्दनाक हत्याकांड में छह निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, मुख्य आरोपी भी अब जीवित नहीं है, लेकिन इस मामले से जुड़े कई अहम सवाल अभी भी जांच के दायरे में हैं।

जांच का नया पहलु

हत्याकांड की जांच में नया मोड़ सामने आया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मुख्य आरोपी राज कुमार के शव के पास से मिले मोबाइल फोन में हत्याकांड से एक दिन पहले (10 जुलाई) रिकॉर्ड किया गया एक कथित सेल्फी वीडियो मिला है। सेल्फी वीडियो में उसने एक युवती पर भरोसा कर ठगा जाने, कर्ज में डूबने और जीवन से निराश होने जैसी बातें कही हैं।

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने पत्रकारों को मोबाइल से कथित वॉयस रिकॉर्डिंग सुनाई। ▶8पर

बॉन्ड पेपर पर सुसाइड नोट

शाबाद हत्याकांड के मुख्य आरोपी राजकुमार की मौत के बाद पुलिस को चार पन्नों का एक कथित सुसाइड नोट बॉन्ड पेपर हाथ लगा है। पुलिस ने नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कथित सुसाइड नोट में राजकुमार ने लिखा है कि उसके एक युवती से संबंध थे। बाद में युवती के परिजनों ने उससे कई बार पैसे मांगे और अंततः 50 लाख की मांग की। नोट में यह भी दावा किया गया है कि रकम नहीं देने पर उसके खिलाफ पॉक्सो मामला दर्ज कराया गया तथा उसे कथित रूप से कहा गया कि 50 लाख दो, नहीं तो 20 साल जेल जाओगे।

कथित सुसाइड नोट में राजकुमार ने अपने खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले को झूठा बताया है और अपनी मौत के लिए कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराने का दावा किया है।

हालांकि, सुसाइड नोट में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि नोट की प्रामाणिकता और उसमें किए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इन दावों की सत्यता पर आधिकारिक रूप से कुछ कहा जा सकेगा।

मच्छी मार्केट उद्धार!

शीघ्र आवंटन की मांग दोहराई

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने बेगम बाजार स्थित मॉडल फिश मार्केट के आवंटन में हो रही देरी को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले जब मंत्री पोन्नम प्रभाकर राम मनोहर लोहिया फंक्शन हॉल के उद्घाटन के लिए आये थे, तब उन्होंने स्वयं मंत्री को मॉडल फिश मार्केट का दौरा कराया था।विधायक के अनुसार, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से निर्मित यह मॉडल फिश मार्केट कई वर्ष पहले बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन आज तक इसका आवंटन प्रारंभ नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि व्यापारियों के बीच मतभेद, राजनीतिक कारणों तथा प्रशासनिक उदासीनता के चलते यह परियोजना वर्षों से बंद पड़ी हुई है।

15 दिनों में समाधान के आश्वासन की दिलाई याद

टी. राजा सिंह ने कहा कि उन्होंने उसी समय मंत्री से अनुरोध किया था कि मॉडल फिश मार्केट का आवंटन तत्काल शुरू कराया जाए, ताकि सड़कों पर मछली बेचने की मजबूरी समाप्त हो, यातायात जाम की समस्या कम हो तथा आसपास के किराणा एवं अन्य व्यापारियों को हो रही परेशानियों का समाधान हो सके।

उन्होंने कहा कि उस समय मंत्री प्रभाकर ने सार्वजनिक रूप से 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था। किंतु अब लगभग तीन से चार महीने बीत जाने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

विधायक टी. राजा सिंह ने मंत्री से पूछा कि क्या 15 दिनों में समस्या का समाधान करने का आश्वासन केवल एक वादा बनकर रह गया?

आखिर बेगम बाजार मॉडल फिश मार्केट का आवंटन आज तक क्यों नहीं किया गया?

क्या राजनीतिक कारणों से हजारों व्यापारियों एवं आम नागरिकों को परेशान किया जा रहा है?

जीएचएमसी और फिशरीज विभाग के साथ बैठक की मांग

विधायक ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर से आग्रह किया कि वे राजनीति से ऊपर उठकर जीएचएमसी एवं फिशरीज विभाग के अधिकारियों के साथ तत्काल बैठक करें तथा मॉडल फिश मार्केट का आवंटन शीघ्र प्रारंभ कराने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

उन्होंने कहा कि यदि फिश मार्केट का आवंटन जल्द शुरू किया जाता है तो इससे व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों तथा पूरे बेगम बाजार क्षेत्र को राहत मिलेगी और क्षेत्र की यातायात एवं व्यापारिक समस्याओं के समाधान में भी मदद मिलेगी।

राज्यसभा में एनडीए मजबूत

6 कदम दूर बहुमत

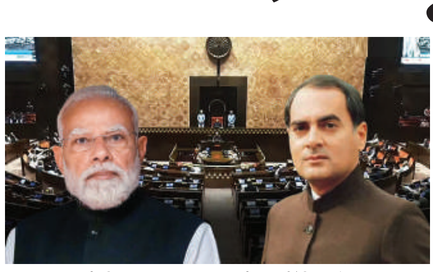

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

राज्यसभा में बीजेपी की संख्या में और अधिक वृद्धि होने वाली है। यह तत्काल बढ़ोतरी पश्चिम बंगाल से होगी। 24 जुलाई को राज्यसभा की तीन सीटों के लिए पश्चिम बंगाल में उपचुनाव होने हैं और बीजेपी के इन तीनों ही सीटों पर जीत लगभग तय है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में है और विधानसभा में पार्टी के पास इतनी संख्या है कि वह आसानी से इन तीनों सीटों पर जीत दर्ज कर लेगी, उसे किसी बड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। ये सीटें तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं, जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। तीन सीटों पर जीत के साथ ही बीजेपी साधारण बहुमत से सिर्फ 6 सीट दूर रह जाएगी।

1986 के बाद बन रहा यह संयोग

तीन राज्यसभा सीटों पर जीत के साथ ही राज्यसभा की मौजूदा संख्या में साधारण बहुमत के लिए जरूरी 123 सीटों के मुकाबले बीजेपी सिर्फ छह सीटें पीछे रह जाएगी। पिछली बार किसी एक राजनीतिक दल को राज्यसभा में बहुमत 1986 में मिला था, जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के पास जरूरी संख्याबल था। हालांकि बीजेपी के पास अभी भी अपने दम पर बहुमत नहीं होगा, लेकिन एनडीए की 152 सीटों की संख्या के साथ वह यहाँ काफी मजबूत स्थिति में है। ▶8पर

नागरिकता: पहचान कौन?

▶8पर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया हो

नागरिकता को लेकर भ्रम फैलानी वाली बातों, तथ्यों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट का सोमवार को आया फैसला, इसे लेकर बहुत कुछ बातें साफ कर जाता है। नागरिकता केवल कानूनी पहचान नहीं बल्कि संविधान द्वारा संरक्षित एक महत्वपूर्ण अधिकार भी है। इसी सिद्धांत को दोहराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता अथवा विदेशी होने का निर्धारण केवल निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के माध्यम से ही किया जा सकता है। और फिर सुप्रीम कोर्ट ने गौहाटी हाईकोर्ट के उन निर्णयों को निरस्त कर दिया, जिनमें फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल द्वारा 27 लोगों को विदेशी घोषित किए जाने के आदेश को बरकरार रखा गया था।

मामले में फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने कुल 27 याचिकाकर्ताओं को विदेशी घोषित किया था। फिर गुवाहाटी हाई कोर्ट ने फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल के उस एकतरफ़ा आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें याचिकाकर्ताओं को विदेशी घोषित किया गया था। हाई कोर्ट ने गौर किया कि नोटिस मिलने के बावजूद, कार्यवाही का सामना कर रहे लोगों में से कोई भी ट्रिब्यूनल के सामने पेश नहीं हुआ और ट्रिब्यूनल के फ़ैसले को लगभग 23 साल बाद चुनौती दी गई। हाई कोर्ट ने फॉरेनर्स एक्ट, 1946 की धारा 9 का हवाला देते हुए, हाई कोर्ट ने ज़ोर दिया कि भारतीय नागरिकता साबित करने की ज़िम्मेदारी पूरी तरह से उस व्यक्ति पर होती है जिस पर कार्यवाही चल रही है, क्योंकि संबंधित तथ्य खास तौर पर उसी की जानकारी में होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों पलटा गौहाटी हाईकोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट में यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के समक्ष सुना गया।

बेंच ने यह साफ किया कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक और कानूनी रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि कोर्ट ने नागरिकता के दावों के गलत इस्तेमाल को रोकने में सरकार की वैध और ज़रूरी दिलचस्पी को भी माना।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नागरिकता जैसे संवेदनशील मामले में केवल औपचारिक प्रक्रिया पर्याप्त नहीं है।

न्शीर्ष अदालत ने साफ किया कि नागरिकता के मामले में प्रत्येक व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का वास्तविक अवसर मिलना चाहिए। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 26^0

मथुरा, काशी और संभल मंदिर-मस्जिद विवाद

कोर्ट करे सो खरी!

वाराणसी/मथुरा/संभल, 13 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं।

बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए समाधान समारोह 2026 पहल के तहत पत्र भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह पत्र कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है। ▶8पर

सबका आका हूँ !

सुरक्षा के बदले शुल्क : ट्रंप

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां).

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और तेल आपूर्ति को लेकर बड़ा बयान दिया है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा और इसके बदले उसे भुगतान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से इस अहम समुद्री मार्ग की सुरक्षा में भूमिका निभाता रहा है, इसलिए उसकी इस जिम्मेदारी की भरपाई भी होनी चाहिए।

ट्रंप ने ईरान पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुत बुरे लोग हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन ईरान ने उसे तोड़ दिया। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका इस महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा करता है, तो इसके लिए उसे उचित भुगतान मिलना चाहिए।

अमेरिका बनेगा होर्मुज का गार्जियन: ट्रंप

उन्होंने कहा कि अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग का गार्जियन (संरक्षक) बनेगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति में कोई बाधा न आए। ट्रंप के अनुसार, दुनिया के लिए इस जलमार्ग की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी जिम्मेदारी उठाने वाले देशों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

पश्चिम एशिया में एक बड़ा रणनीतिक मोर्चा बनकर सामने आया है। यहाँ से दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल समुद्री मार्ग से गुजरता है। ट्रंप के इन बयानों को अमेरिका-ईरान संबंधों और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के संदर्भ में अहम माना जा रहा है।

सभी कार्गो पर 20 प्रतिशत का हो भुगतान

ट्रंप ने कहा कि होर्मुज खुला है और ईरान चाहे या न चाहे, यह खुला ही रहेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका तथाकथित ईरानी नाकाबंदी को फिर से लागू कर रहा है, ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कई साल से भयंकर भूकंप की चेतावनी दे रहा था इंजीनियर

वेनेजुएला में पहले ही मिले थे तबाही के संकेत

काराकास

वेनेजुएला में 24 जून को आए भयंकर भूकंप ने पूरे देश को गहरे सदमे में डाल दिया है। इस विनाशकारी आपदा में अब तक 4 हजार से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 30 हजार से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। हालांकि, इस भीषण तबाही के संकेत दशकों पहले से ही मिल रहे थे, लेकिन उन पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। वेनेजुएला के विज्ञान मंत्रालय में कार्यरत एक इंजीनियर ने 1999 से ही इस क्षेत्र में एक बड़े भूकंप की संभावना को लेकर लगातार चेतावनियाँ जारी की थीं। उन्होंने लगभग दो दशकों में कम से कम 10 बार सरकार और संबंधित अधिकारियों को इस आसन्न खतरे से आगाह किया था।

इंजीनियर जेंटेशन ने बताया था कि ला गुएरा जैसे क्षेत्रों में नरम जलोढ़ मिट्टी की उपस्थिति और सैन सेबस्टियन फाल्ट से इसकी निकटता के कारण इमारतों में लगातार दरारें आ रही थीं, जो बड़े भूकंप के स्पष्ट संकेत थे। उनकी चेतावनियों को 1999 में ला गुएरा में हुई भीषण मडस्लाइड (भूस्खलन) की घटना के संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसमें लगभग 10 हजार लोग मारे गए थे। इस त्रासदी के बाद जब क्षेत्र के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू किया गया, तो जेंटेशन ने सरकार की उन योजनाओं का विरोध किया जिनमें अस्थिर और भूकंप-संभावित भूमि पर निर्माण की बात थी। इसी असहमति के चलते उन्होंने अपनी सरकारी नौकरी से इस्तीफा भी दे दिया था, यह कहते हुए कि ऐसी जगह पर निर्माण कराना खतरे को मोल लेने जैसा होगा।

दुर्भाग्यवश, उनका डर सच साबित हुआ और पुनर्निर्माण का वह कार्य कभी पूरा नहीं हो पाया, जिससे आपदा की स्थिति और भी गंभीर हो गई। भूकंप की तीव्रता 7.2 से 7.5 के बीच मापी गई है, जिसने इमारतों, पुलों और बुनियादी ढाँचे को भारी नुकसान पहुँचाया है। आपदा के बाद से, मलबे में दबे शवों की तलाश और पहचान का काम तेजी से जारी है। रोसा लोपेज जैसी कई परिवार इस त्रासदी के शिकार हुए हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। रोसा के 25 वर्षीय दामाद जोसे एंटोनियो टोलेडो, जो भूकंप के समय एक इमारत में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहे थे, मलबे के नीचे से मिले। उनके शव को एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहाँ जगह न होने के कारण उसे खुले पार्किंग स्थल में रखना पड़ा। कई दिनों की जद्दोजहद के बाद, एक फॉरेंसिक चिकित्सक की मदद से परिवार शनिवार को उनके शव को ढूंढ पाया। शव की पहचान के बाद भी परिवार को अंतिम संस्कार के खर्च, जो 450 अमेरिकी डालर थे, को वहन करने में दिक्कत आ रही थी। देर रात उन्हें महापौर कार्यालय से सूचना मिली कि स्थानीय कब्रिस्तान में मुफ्त में जगह उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके बाद वे तुरंत वहाँ पहुँचे और टोलेडो को दफनाया।

न्यूज ब्रीफ

परंपराः अल्बानिया विशेष परिस्थितियों में महिलाएं बन जाती थीं बुर्नेशा

तिराना। यूरोप के देश अल्बानिया के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में सदियों पुरानी परंपरा देखने को मिलती है। यहां कुछ परिवारों में महिलाएं विशेष परिस्थितियों में बुर्नेशा बन जाती थीं। इस परंपरा के तहत महिलाएं परिवार की मुखिया बनकर पुरुषों जैसी सभी सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाती थीं। अल्बानियाई भाषा में बुर्नेशा का अर्थ पुरुष माना जाता है। हालांकि, इसके बदले उन्हें आजीवन अविवाहित रहने और संतान पैदा नहीं करने की शपथ लेनी पड़ती थी। यह परंपरा कनून नामक प्राचीन जनजातीय कानून पर आधारित थी, जिसने सदियों तक उत्तरी अल्बानिया के सामाजिक जीवन को प्रभावित किया। उस समय यदि किसी परिवार में पुरुष उत्तराधिकारी नहीं बचता था, जैसे सभी भाई युद्ध, बीमारी या दुर्घटना में मारे जाते थे या परिवार में बेटा नहीं होता था, तो परिवार की कोई बेटी स्वेच्छा से बुर्नेशा बनने का निर्णय ले सकती थी। शपथ लेने के बाद समाज उसे पुरुष का दर्जा देता था और उसके अधिकार भी उसी के अनुरूप हो जाते थे। बुर्नेशा बनने के बाद महिलाएं पुरुषों जैसे कपड़े पहनती थीं, कई बार पुरुषों जैसा नाम भी अपना लेती थीं और समाज उन्हें पुरुष के रूप में ही स्वीकार करता था। उन्हें संपत्ति खरीदने, पारिवारिक विरासत प्राप्त करने, घर की मुखिया बनने, व्यापारिक गतिविधियों में भाग लेने और सार्वजनिक जीवन में स्वतंत्र रूप से आने-जाने का अधिकार मिल जाता था। उस दौर में सामान्य महिलाओं को जो अधिकार उपलब्ध नहीं थे, वे सभी अधिकार बुर्नेशा को प्राप्त हो जाते थे। हालांकि, इस परंपरा की सबसे कठोर शर्त आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करना था। एक बार शपथ लेने के बाद विवाह करना या संतान पैदा करना पूरी तरह वर्जित माना जाता था। यदि कोई महिला अपनी शपथ तोड़ती थी, तो उसे सामाजिक बहिष्कार और अपमान का सामना करना पड़ सकता था। यही कारण था कि बुर्नेशा बनने वाली महिलाएं जीवनभर इस वचन का पालन करती थीं। इतिहासकारों के अनुसार, यह परंपरा परिवार की संपत्ति, सम्मान और सामाजिक पहचान को सुरक्षित रखने का एक व्यावहारिक उपाय थी। समय के साथ अल्बानिया में सामाजिक और कानूनी बदलाव आए तथा महिलाओं को समान अधिकार मिलने लगे।

ऊर्जा सहयोग पर वार्ता के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव आज पहुंचेंगे नेपाल

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए भारत के विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मनु महावर आज काठमांडू पहुंचने वाले हैं। नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाईमंत्री विराजभक्त श्रेष्ठ के सचिवालय के अनुसार पोखरा में यह बैठक आज शाम शुरू होगी। इसका समापन 14 जुलाई को होगा। महावर भारतीय विदेश मंत्रालय के नार्थ डिवीजन के प्रमुख हैं। वह नेपाल और भूटान से संबंधित मामलों की जिम्मेदारी संभालते हैं। हालांकि इस द्विपक्षीय तंत्र की बैठक हर छह महीने में होनी चाहिए, लेकिन फरवरी 2025 में नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद बैठक नहीं हो सकी। वर्तमान में नेपाल से 40 मेगावाट बिजली भारत के माध्यम से बांग्लादेश निर्यात की जा रही है। नेपाल भविष्य में बिजली निर्यात बढ़ाने का इच्छुक है, जिसके लिए भारत की अनुमति आवश्यक होगी। इसके अलावा 220 केवी क्षमता वाली चमेलिया-जौलजीबी डबल सर्किट अंतरदेशीय ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण में भी लगातार देरी हो रही है। दोनों देशों को अपने-अपने क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण करना है, लेकिन परियोजना अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सकी है। ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच कई अन्य लंबित मुद्दों पर भी इस बैठक में चर्चा होने की संभावना है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की संभावित भारत यात्रा की चर्चा के बीच मनु महावर का यह नेपाल दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेपाल में आठ प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह बंद

काठमांडू। लगातार बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण सोमवार को नेपाल के विभिन्न हिस्सों में आठ प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। वहीं, दो सड़कों पर केवल एकतरफा यातायात संचालित हो रहा है। मेची राजमार्ग के अंतर्गत इलाम जिले के इलाम नगरपालिका राजदुवाली क्षेत्र में सड़क अवरुद्ध होने से झापा-ताप्लेजुङ सड़क मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। पुलिस के अनुसार, इस मार्ग के बंद होने के कारण वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए काठमांडू से जनकपुर को जोड़ने वाली बीपी राजमार्ग को अगली सूचना तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसी तरह, मकवानपुर जिले के भीमफेदी गांवपालिका, भर्याङडाँडा में भूस्खलन के कारण कान्ति लोकपथ राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।

ईरान का कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला

कुवैत सिटी/मनामा/तेहरान/वाशिंगटन

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी वर्चस्व की जंग से पश्चिम एशिया में फिर स्थिति गंभीर हो गई है। ईरान ने कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला किया है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के ताजा हमलों के बाद बहरीन में भी अमेरिकी सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया। वहां हमले के सायरन बजने शुरू हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी वायुसेना ने कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया और उसे नुकसान पहुंचाया। कार्प्स ने कहा कि अली अल सलेम स्थित अमेरिकी बेस पर फ्यूल स्टोरेज टैंक और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसने लगभग 30 मील दूर स्थित अहमद अल जाबेर एयर बेस पर भी हमला किया। हमले में वहां का एफपीएस रडार सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गया। कुवैत की सेना ने अभी तक इन हमलों में से किसी की भी पुष्टि नहीं की है।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने एक्स पर कहा, नागरिकों और निवासियों से शांत रहने और सबसे पास की सुरक्षित जगह पर जाने का आग्रह किया जाता है। आईआरजीसी ने टेलीग्राम पर घोषणा कि ईरान ने अमेरिका के सहयोगी देशों में उसके ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। यह घोषणा ईरान के मध्य और दक्षिणी इलाकों पर हुए हमले के बाद की गई।

आईआरजीसी ने घोषणा की है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। वाशिंगटन के हमलों के जवाब में उसकी वायुसेना ने बहरीन के शेख ईसा स्थित अमेरिकी एयर बेस पर हेलीकाप्टर रखरखाव और मरम्मत की सुविधाओं, पी-8 पोसीडान विमान वाले हैंगर और सेना के ड्रोन कमांड और कंट्रोल सेंटर पर हमला किया। बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा कि अभी तक किसी नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है।

सेंटकाम ने एक्स पर कहा कि ईरान के खिलाफ ताजा हमले में सटीक हथियारों से कई जगहों पर दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने पहली बार लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाजो, वन-वे अटैक एरियल ड्रोन और वन-वे अटैक सी ड्रोन का इस्तेमाल किया। ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कोस्टल रडार साइट्स, मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं के साथ-साथ छोटी नावों पर हमले किए। सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक दिन पहले ईरान के लगभग 140 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसके जवाब में तेहरान ने बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और जार्डन पर जवाबी हमले किए।

ईरान के बंदर अब्बास, सिरिक और जास्क जैसे बंदरगाह शहरों के साथ-साथ केशम द्वीप पर भी जोरदार धमाके हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला हुआ है। ईरान के फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण ने कहा है कि जब तक स्थिरता और शांति बहाली नहीं होती तब तक वहां से आवाजाही की अनुमति नहीं है। इस सप्ताहांत से शुरू ताजा टकराव से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिकी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि आईआरजीसी)ने जलमार्ग में एक और कमर्शियल जहाज पर हमला किया। इसलिए अमेरिकी सेना को फिर हमला करना पड़ा। अमेरिका के सहयोगी देशों ने कहा कि सप्ताहांत के दौरान उन्हें ईरानी हमलों का सामना करना पड़ा। इन देशों में कुवैत, ओमान, जार्डन और संयुक्त अरब अमीरात प्रमुख हैं। अमेरिका का दावा है कि आईआरजीसी लगातार होर्मुज में जहाजों पर गोलीबारी कर रहा है।

सेंटकाम के प्रवक्ता कैप्टन टिम हाकिन्स ने कहा कि ईरान की एक क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का मकसद ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर वलीओल्लाह हयाती ने कहा है कि माहशहर में एक खेत पर बने सिंचाई पंप केंद्र पर मिसाइल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

अनोखे और विवादित क्राइसांट को लेकर सुर्खियां बटोर रही बेकरी

बैंकाक

थाईलैंड के पर्यटन शहर पटाया की एक बेकरी ने ऐसा क्राइसांट तैयार किया है, जिसकी बनावट लोगों को पहली नजर में चौंका देती है। यह बेकरी सोशल मीडिया पर अपने अनोखे और विवादित क्राइसांट को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। कई लोग इसे रचनात्मक प्रयोग बता रहे हैं, जबकि कुछ इसकी प्रस्तुति को असहज और विचित्र मान रहे हैं। वायरल तस्वीरों और वीडियो में क्राइसांट के ऊपर क्रीम के साथ बाल जैसे दिखाई देने वाले पतले रेशे नजर आते हैं। देखने में यह डिजाइन काफी वास्तविक लगती है, जिसके कारण कई लोग पहली नजर में भ्रमित हो जाते हैं। हालांकि, बेकरी का कहना है कि यह केवल एक कलात्मक प्रस्तुति है और इसमें इस्तेमाल की गई सभी सामग्री पूरी तरह खाद्य और सुरक्षित है। बेकरी संचालक के अनुसार, क्राइसांट पर दिखाई देने वाले रेशे वास्तव में समुद्री शैवाल (सीवीड) से तैयार किए गए हैं। इन्हें विशेष तरीके से सजाया जाता है ताकि उनका स्वरूप वास्तविक जैसा दिखाई दे। वहीं, ऊपर लगाई गई क्रीम को भी खास तकनीक से तैयार किया जाता है। बेकरी का उद्देश्य ग्राहकों को एक अलग और यादगार अनुभव देना है, न कि किसी को असहज करना। पटाया की यह बेकरी पहले से ही अपने अनोखे और रचनात्मक बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती रही है, लेकिन इस नए उत्पाद ने उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में ला दिया है। सोशल मीडिया पर इस क्राइसांट को लेकर हजारों टिप्पणियां और शेयर किए जा चुके हैं।

बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक केवल इसे देखने, चखने और इसके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए बेकरी पहुंच रहे हैं। कुछ उपभोक्ताओं का कहना है कि यह स्वाद से अधिक अपनी अनोखी प्रस्तुति और वायरल होने की क्षमता के कारण लोकप्रिय हुआ है। वहीं, कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इसे आधुनिक मार्केटिंग का सफल उदाहरण मान रहे हैं। उनका मानना है कि आज के डिजिटल दौर में ऐसे उत्पाद लोगों का ध्यान तेजी से आकर्षित करते हैं और व्यवसाय को व्यापक पहचान दिलाने में मदद करते हैं। हालांकि, इस क्राइसांट को लेकर आलोचनाएं भी सामने आई हैं। कुछ लोगों का कहना है कि खाद्य पदार्थों को इस तरह की विचित्र प्रस्तुति में पेश करना उचित नहीं है, जबकि समर्थकों का तर्क है कि यह केवल रचनात्मक कला और विपणन का हिस्सा है तथा इसे खाने या न खाने का निर्णय पूरी तरह उपभोक्ताओं पर निर्भर करता है।

काठमांडू समेत नेपाल के 35 जिलों में बाढ़ का खतरा

काठमांडू। लगातार वर्षा के बीच नेपाल की राजधानी काठमांडू सहित 35 जिलों और आसपास की नदियों एवं जलधाराओं में बाढ़ आने की आशंका जताई गई है। बाढ़ पूर्वानुमान महाशाखा ने जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। महाशाखा के अनुसार, काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर, काभ्रेपलाञ्चोक तथा आसपास के जिलों में सोमवार को सबसे अधिक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा पांचथर, इलाम, झापा, मोरंग, सप्तरी, सुनसरी, भोजपुर, संखुवासभा, दोलखा, रामेछाप, सिन्धुली, सिन्धुपाल्चोक, रसुवा, नुवाकोट, धादिङ, गोरखा, लमजुङ, तनहुँ, मकवानपुर, बारा, पर्सा, रौतहट, चितवन, नवलपरासी (पूर्व), नवलपरासी (पश्चिम), पाल्पा, कास्की, पर्वत, म्याग्दी, स्याङ्जा, कैलाली तथा आसपास के क्षेत्रों से होकर बहने वाली नदियों का जलस्तर काफी बढ़ने और अचानक बाढ़ आने का मध्यम जोखिम रहने की संभावना है। महाशाखा ने विशेष रूप से चेतावनी दी है कि काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर, काभ्रेपलाञ्चोक और आसपास के जिलों की कुछ नदियों में अचानक बाढ़ आने का उच्च जोखिम है। ऐसे में नदी किनारे रहने वाले लोगों, यात्रियों और संबंधित स्थानीय प्रशासन से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

बलूचिस्तान संकट के बीच पाकिस्तान में बढ़ी ईंधन की कीमतें, आम जनता पर महंगाई की दोहरी मार

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में सुरक्षा संकट के साथ-साथ अब आर्थिक मुश्किलें भी तेजी से बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने सैन्य अफसरों के साथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक कर बलूचिस्तान में चल रहे हिंसक बवाल पर काबू पाने के तौर-तरीकों पर सख्त रणनीति तैयार की है, तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने आम जनता पर महंगाई का एक और बोझ डाल दिया है। सेना प्रमुख ने टाप कमांडर्स को अल्टीमेटम देते हुए बलूच विद्रोहियों से सख्ती से निपटने का आदेश दिया है, लेकिन इसी सैन्य और राजनीतिक हलचल के बीच वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देकर देश में ईंधन की कीमतों में भारी इजाफा कर दिया गया है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़े तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति बाधित होने का सीधा खामियाजा अब लाखों पाकिस्तानियों को भुगतना पड़ रहा है।

शहबाज सरकार ने विमानन ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमत में 13.23 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बड़ी बढ़ोतरी कर दी है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, जेट ईंधन की नई कीमत अब 251.02 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर तय की गई है। इस फैसले के बाद पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के साथ-साथ तमाम निजी एयरलाइंस की संचालन लागत काफी बढ़ जाएगी, क्योंकि किसी भी एयरलाइन के कुल आपरेशनल खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा उसका ईंधन ही होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का सीधा असर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा और आने वाले दिनों में हवाई किरायों में उल्लेखनीय वृद्धि होना बिल्कुल तय है।

यह संकट केवल हवाई यात्रा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश में पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में भी भारी उछाल की पूरी संभावना बन गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में लगभग 13 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में करीब 14 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की आशंका जताई गई है। इससे पहले सरकार ने खुदरा कीमतों को स्थिर रखते हुए हाई-स्पीड डीजल पर पेट्रोलियम लेवी बढ़ाकर 79.54 रुपये और पेट्रोल पर 66.64 रुपये प्रति लीटर कर दी थी।

नेपाल ने सुस्ता सीमा क्षेत्र में बढ़ाई सुरक्षा, भारतीय पक्ष ने जताई चिंता

काठमांडू

नेपाल सरकार ने भारत से सटी पश्चिम नवलपरासी जिले के नारायणी नदी पार स्थित सीमावर्ती क्षेत्र सुस्ता में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। गृह मंत्रालय ने जिला प्रशासन कार्यालय, नवलपरासी को पत्र भेजकर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए थे।

तीन जुलाई को गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद सशस्त्र पुलिस बल के निरीक्षक के नेतृत्व में तैनात 25 जवानों की संख्या बढ़ाकर 40 कर दी गई। इसके तीन दिन बाद छह जुलाई को नेपाली सेना के ब्रिगेडियर जनरल यम बहादुर अधिकारी के नेतृत्व में सेना की एक टीम भी सुस्ता पहुंची। इसके छह दिन बाद रविवार को सशस्त्र पुलिस बल के अतिरिक्त महानिरीक्षक अञ्जनी पोखरेल ने भी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।

सुस्ता में इन दिनों तटबंध निर्माण का कार्य चल रहा है। करीब डेढ़ महीने पहले निर्माणाधीन तटबंध के पूर्वी हिस्से में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने पहुंचकर निर्माण कार्य रोकने को कहा था। इसी घटनाक्रम के बाद नेपाल सरकार ने वहां सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया।

बताया गया है कि नेपाली सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के सादे लिबास में सुस्ता पहुंचने के बाद भारतीय पक्ष ने इस पर औपचारिक रूप से नेपाल से जानकारी मांगी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, भारत ने पूछा कि जनरल यमबहादुर अधिकारी के नेतृत्व वाली टीम सुस्ता क्यों गई थी। इस पर नेपाल ने स्पष्ट किया कि सेना की टीम मानसून और संभावित आपदा जोखिम का अध्ययन करने के उद्देश्य से वहां गई थी।

स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, नेपाली सेना के पहुंचते ही एसएसबी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ भी की। चूंकि नेपाली सेना के जवान सादे लिबास में पहुंचे थे और इसकी पूर्व सूचना स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों को भी नहीं थी, इसलिए भारतीय पक्ष ने उनकी मौजूदगी पर सवाल उठाए।

नेपाल के सैन्य अधिकारियों ने सुस्ता के स्थानीय निवासियों से सीमा क्षेत्र की स्थिति और समस्याओं की जानकारी ली। नेपाली सेना के प्रवक्ता सहायक रथी राजाराम बस्नेत ने कहा कि सेना की टीम देशभर में मानसून और आपदा से जुड़े जोखिमों का आकलन कर रही है तथा सुस्ता का दौरा भी इसी उद्देश्य से किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरे का सीमा विवाद से कोई संबंध नहीं है।

जिला प्रशासन ने भी कहा है कि नेपाली सेना का यह दौरा औपचारिक नहीं था। वहीं, तटबंध निर्माण में भारतीय सुरक्षाकर्मियों द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के बाद सुस्ता में सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बाग़बानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज-मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा-स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फ़ोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चलाते-चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जुलाई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या दोपहर 03:15 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 12:10 तक
योग : व्याघात प्रातः 11:57 तक
करण : नाग दोपहर 03:15 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 06:50 तक
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवपितृ कार्य भौमवती अमावस्या

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री की श्री हनुमान कथा हेतु उपमुख्यमंत्री विक्रम भट्टी को दिया आमंत्रण

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 17, 18 एवं 19 जुलाई को आयोजित होने वाली बाबा बागेश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्री हनुमान कथा में सहभागिता के लिए उपमुख्यमंत्री श्री विक्रम भट्टी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नंदिनी विक्रम भट्टी, साथ ही विधायक प्रकाश गौड़ को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया।इस अवसर पर अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, नितिन अग्रवाल, आशीष दोचनीया, नवीन अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, कमल अग्रवाल, अंजन सरोगी, पवन टिबरेवाल, जस्मत पटेल तथा रिधिश जागीरदार ने उपमुख्यमंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से भेंट कर उन्हें श्री हनुमान कथा में सपरिवार उपस्थित रहने का निमंत्रण दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बाबा बागेश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सान्निध्य में आयोजित यह श्री हनुमान कथा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कथा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

निस्वार्थ मानव सेवा से ही समाज में आती है सकारात्मकता : गोपाल गोयल

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ किया गया। प्रतिदिन की तरह आयोजित इस सेवा अभियान में बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सतत सेवा अभियान मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर समाज को प्रेरित कर रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोपाल गोयल ने कहा कि जीवन में सबसे बड़ा संस्कार सेवा का संस्कार है। परिवार से मिलने वाले अच्छे संस्कार ही व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा केवल जरूरतमंद की सहायता नहीं करती, बल्कि स्वयं के जीवन को भी सार्थक बनाती है। जिस समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना जीवित रहती है, वही समाज निरंतर उन्नति करता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के निरंतर अन्नदान कर मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत कर रहा है, जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का विषय है।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया। उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी समर्पण और सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल, मनीष चिंडालिया एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए मानवता की सेवा को ही सच्ची ईश्वर भक्ति बताते हुए इस पुण्य अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

भक्तों की अरदास भजन संध्या में श्याम भक्ति से सराबोर हुए श्रद्धालु

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' के तत्वावधान में आयोजित भक्तों की अरदास भजन संध्या श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में भजन गायक किशन पालीवाल एवं पंकज ओझा ने अपने मधुर एवं भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को श्याम भक्ति के रस में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया एवं ट्रस्टियों ने भजन गायकों तथा विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, मनीष बंसल, रमाकांत गोयल, पंकज सिंगला एवं सुरेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' के सदस्य विकास राठौड़, रमेश जैन, यश जैन, उदयराम, मोहित अग्रवाल, श्रेयांश, चिराग जैन, कृष्णकांत, अभिनव मंत्री, लालचंद सोनी, सौरव यादव, प्रतीक, नकुल, निखिल जैन, विशाल, अमित भंडारी, रितेश तथा अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए बाबा श्याम के जयकारों से मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया।

एसआईआर की सफलता के लिए सभी दल सहयोग करें: प्रेम सागर राव

मंचेरियाल, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे में सहयोग की अपील की है। सोमवार को आवास पर प्रेस वार्ता में उन्होंने आपका वोट – आपकी जिम्मेदारी संदेश वाले जनजागरूकता पोस्टर जारी किए। पोस्टर में नए पंजीकरण, नाम हटाने, संशोधन, मतदान केंद्र परिवर्तन और डुप्लिकेट वोट हटाने की जानकारी दी गई।विधायक ने बताया कि मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने के लिए डखठ सर्वे 24 जुलाई तक चलेगा। 31 जुलाई को ड्राफ्ट सूची जारी होगी। अगस्त से 24 अक्टूबर तक आपत्ति व संशोधन होंगे और अंतिम सूची 31 अक्टूबर को प्रकाशित होगी। उन्होंने कहा कि जिनके नाम सूची में नहीं हैं, नए मतदाता, या नाम-पते-आयु-फोटो में संशोधन कराने वाले इस मौके का लाभ उठाएं। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ भी पारदर्शिता से मिलेगा।विधायक ने सरपंच, वार्ड सदस्य और दलों से जागरूकता फैलाने को कहा। उन्होंने नागरिकों से राशन कार्ड, पेंशन आदि के विवरण भी अपडेट कराने की अपील की।

अग्नि गुंडाला महोत्सव में अव्यवस्था, श्रद्धालुओं में नाराजगी

पेद्दापल्ली, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले के प्रसिद्ध श्री ओडेला मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में आयोजित अग्नि गुंडाला महोत्सव में भारी अव्यवस्था देखने को मिली।

विशेष पूजा के बाद हजारों श्रद्धालु अग्नि गुंडाला में भाग लेने के लिए सुबह 2 बजे से कतारों में खड़े रहे। आरोप है कि टिकट होने के बावजूद कई श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया गया, जिससे नाराज भक्तों ने विरोध प्रदर्शन किया। श्रद्धालुओं का कहना है कि वे हर साल मनोकामना पूर्ति के लिए इस उत्सव में शामिल होते हैं, लेकिन इस बार कुप्रबंधन के कारण उन्हें दर्शन से वंचित रहना पड़ा।

भक्तों ने मंदिर समिति और अधिकारियों से मांग की है कि भविष्य में बेहतर व्यवस्था की जाए और टिकट लेने वाले हर श्रद्धालु को अग्नि गुंडाला में भाग लेने का अवसर मिले।

महाशैवाक्ष योग पर उमड़े श्रद्धालु, नागलिंगेश्वर मंदिर में गूंजा शिव नाम

पेद्दापल्ली, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रागीनेडु के श्री नागलिंगेश्वर मंदिर में दुर्लभ महाशैवाक्ष योग के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। शिवरात्रि माह, आर्द्रा नक्षत्र और सोमवार के संयोग पर हजारों श्रद्धालु सुबह से ही भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर ॐ नमः शिवाय के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर पेद्दापल्ली निवासी श्री श्वेता ने परिवार सहित विशेष अभिषेक और पूजा की। पुरोहितों ने उन्हें वेद आशीर्वचन दिया और सोम कुमार ने श्री नागलिंगेश्वर स्वामी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया।

मंदिर प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए कतारों और पेयजल की समुचित व्यवस्था की, जिससे श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा।

एसआईआर के लिए तड़ी हिप्पार्गा में विशेष हेल्प डेस्क, तहसीलदार ने किया निरीक्षण

मदनूर, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) मतदाता सूची विशेष व्यापक संशोधन (एसआईआर) के तहत तड़ी हिप्पार्गा गांव में विशेष हेल्प डेस्क शुरू की गई है। सोमवार को तहसीलदार एमडी मुजीब ने हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व कर्मचारियों और बीएलओ को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को जनगणना प्रपत्र भरने में कोई दिक्कत न हो। फॉर्म के साथ जरूरी प्रमाण पत्र संलग्न कर विधिवत जमा कराएं।

तहसीलदार ने मतदाताओं से अपील की कि फॉर्म भरने में संकोच न करें और हेल्प डेस्क की मदद से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने बताया कि घर-घर सर्वे के दौरान जमा फॉर्म को लेकर संदेह या नाम दोबारा दर्ज कराने वाले लोग हेल्प डेस्क पर आकर सहायता ले सकते हैं। निरीक्षण के दौरान ग्राम सरपंच, ग्राम सचिव ज्योति और मंडल अधिकारी रवि मौजूद रहे।

धनुर गांव के दलित वाड़े को बाढ़ से बचाने के लिए नहर की सीसी लाइनिंग की मांग

मदनूर, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। धनुर गांव के ग्रामीणों ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से नहर में सीमेंट-कंक्रीट लाइनिंग कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में पहाड़ियों से आने वाला पानी कच्ची नहर के जरिए सीधे दलित वाड़े से होकर बहता है। तेज बारिश में नाले का पानी घरों में घुस जाता है, जिससे दलित बस्ती के लोगों को भारी परेशानी होती है। स्थानीय जनता ने मांग की है कि नहर के किनारों को सीमेंट, रेत और गिट्टी के मिश्रण से पक्का किया जाए। इससे पानी का बहाव सुधरेगा और दलित वाड़ा बाढ़ से सुरक्षित रहेगा।

सोमूर-धनुर में भूमि सर्वेक्षण शुरू मानचित्र न होने से हो रही माप

मदनूर, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तहसीलदार के आदेश पर सोमवार को मदनूर मंडल के सोमूर और धनुर गांव में भूमि सर्वेक्षण शुरू किया गया। भूमि सर्वेक्षण अधिकारियों ने बताया कि सोमूर गांव का कोई भूमि मानचित्र उपलब्ध नहीं है, इसलिए सर्वेक्षण किया जा रहा है। कृषि भूमि के पहले मापन के आधार पर प्रत्येक सर्वेक्षण संख्या का अलग मानचित्र और क्षेत्रफल तैयार किया जा रहा है। इसमें सर्वेक्षण संख्या, सीमा, क्षेत्रफल के साथ आसपास की सड़क, नदी, कुआं, पेड़ जैसी भू-आकृतियों के सटीक माप दर्ज किए जाएंगे। सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय सरपंच और किसान भी मौजूद रहे।

विधायक प्रेम सागर राव ने किया 38.15 लाख के सरकारी स्कूल का उद्घाटन

मंचेरियाल, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने रविवार को हाजीपुर मंडल के कोलंगुडा गांव में 38.15 लाख रुपये की लागत से बने नए सरकारी विद्यालय का उद्घाटन किया। विधायक ने छात्रों को स्लेट-पेन वितरित किए और पढ़ाई में मन लगाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि गांव के 40 परिवारों को इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मकान दिए जाएंगे। दशहरा तक वे स्वयं आकर भूमि पूजन करेंगे।

ग्रामीणों द्वारा पेयजल समस्या बताने पर विधायक ने मौके से ही अधिकारी को फोन कर तुरंत समाधान के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रैया, सरपंच, जनप्रतिनिधि, महिला नेता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सूर्य स्वरूपा गायत्री

वेदमाता गायत्री सूर्य स्वरूपा कही गई हैं। सूर्य ऐसा, जो बाच् ही नहीं, अंतस को भी आलोकित कर देता है।

दूसरे शब्दों में मां गायत्री परमात्मा का ऐसा प्रतीक हैं, जिनकी उपासना से मन में सद्बुद्धि या विवेक को जन्म दिया जा सकता है। यदि मनुष्य यह अनुभूत करने लगे कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, तो सृष्टि का कौन पदार्थ उसके लिए दुर्लभ हो सकता है। इसी कारण गायत्री को 'कामधेनु' या 'कल्पवृक्ष' भी कहा गया है।

ज्ञान की आदि श्चोत होने के कारण ही वे वेदमाता कही गई हैं। उनका कमंडल पवित्रता और माला साधना का प्रतीक है। आदि शक्ति मां गायत्री की विविध स्वरूपों में आराधना की जाती है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

> माता गायत्री की उपासना मां सरस्वती, पार्वती, दुर्गा, लक्ष्मी और काली आदि स्वरूपों में की जाती है। प्रत्येक स्वरूप में वे हमें कोई न कोई प्रेरणा प्रदान करती हैं।

मां सरस्वती- विद्या और कला की प्रतीक मां सरस्वती को बहमा की पत्नी माना गया है। साथ ही वे संस्कृति की प्रतीक कही जाती हैं। उनके हाथों में वीणा कला से प्राप्त होने वाले असीम आनंद का प्रतीक है।

मां पार्वती : भगवान शिव की अर्द्धांगिनी पार्वती उस तपश्चर्या की प्रतीक हैं, जिसके माध्यम से शिव अर्थात परमात्मा का प्रतीकात्मक सान्निध्य प्राप्त किया जा सकता है।

मां दुर्गा : आसुरी प्रवृत्तियों के उन्मूलन के लिए विभिन्न देवताओं की शक्तियों के संगम से जन्मी दुर्गा संगठन शक्ति की सुंदर प्रतीक हैं।

मां लक्ष्मी : आदिशक्ति गायत्री का लक्ष्मी स्वरूप परमात्मा के वैभवमय स्वरूप का प्रतीक है। यह स्वरूप देवताओं एवं दैत्यों दोनों को प्राप्त हो सकता है, शर्त मात्र समुद्र मंथन जैसा कठोर श्रम करने की है।

मां काली : अत्याचार की हर सीमा लांघ जाने के बाद सृजनकारी मां रौद्र रूप धारण कर काली का स्वरूप धारण कर लेती हैं और अन्याय के कटे सिर उनके गले की शोभा बनते हैं। वे अन्याय से संघर्ष करने की प्रेरणा देती हैं। (साभार : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार)

जीवन में संतुलन लाना है श्रीकृष्ण होना

> कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफलिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है।

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने म।

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। अष्टमी का आधा चांद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सत्य के प्रकट और अप्रकट पहलुओं के बीच एक पूर्ण संतुलन का द्योतक है, दिखने वाले भौतिक जगत और न दिखने वाले आध्यात्मिक जगत के बीच में। आध्यात्मिक और भौतिक दोनों जगत में श्रीकृष्ण पारंगत थे। अष्टमी पर उनके जन्म होने का यही प्रतीक है। कृष्ण का ज्ञान हमारे समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि न ही वह भौतिक सुखों को बटोरने में आपको खोने देता है और न ही आपको सब कुछ त्यागने देता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाने का अर्थ है कि अत्यंत विपरीत, लेकिन संगत गुणों को आत्मसात करना और अपने जीवन में उन्हें प्रकट करना।

कृष्ण का अर्थ है हमारा सबसे आकर्षक अस्तित्व या आत्मा। राधे-श्याम अनंत का प्रतिनिधित्व करता है। राधे व्यक्तिगत जीवन और श्याम अनंत जीवन हैं। कृष्ण हर जीव की आत्मा हैं और जब व्यक्तित्व में हमारे सच्चिदानंद स्वरूप की चमक दिखने लगती है, तब स्वत: ही जीवन का संपूर्ण संवर्धन होने लगता है। कहा जाता है कि कृष्ण मक्खन चोरी करते थे। इस रूपक का क्या अभिप्राय है। मक्खन एक प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद है। पहले दूध को दही बनाया जाता है और फिर अच्छी तरह से मथकर ही वह दही मक्खन बन जाता है। दूध या दही की तरह जीवन का भी मंथन बहुत सारी घटनाओं, परिस्थितियों और उतार-चढाव द्वारा होता है। अंत में मक्खन बाहर निकलता है। वही आपका संतत्व है। इसका सार यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। आनंदित और केंद्रित रहना चाहिए। जब सब कुछ जीवन में ठीक है, तब एक बडी मुस्कान रखना आसान है, परंतु यदि आप प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कुरा सकते हैं, तब समझिए कि आपने जीवन में सच में कुछ पाया है।

कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा कुछ ऐसी ही है। उनका एक पांव पृथ्वी पर मजबूती से जमा हुआ है और दूसरा उठा हुआ है, परंतु संतुलित है। ऐसे ही नृत्य हो सकता है। यह पूर्णत: संतुलित जीवन जीने के सही तरीके को दर्शाता है। जब आप मन में खोये हों तो नृत्य संभव नहीं हो पाता है। साक्षी भाव से मन की अशांति को देखने से ही हम उससे ऊपर उठ सकते हैं। यानी जब भी आप अशांत हों, तो यह सोचने के बजाय कि ऐसा नहीं होना चाहिए था, आप बस समर्पण कर दीजिए।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'ऐसा क्यों है कि इतने सारे लोग मेरे बारे में जानने में सक्षम नहीं हैं। इसका कारण यह है कि वे हमेशा अपने राग और द्वेष के बीच फंसे हुए हैं।' जो व्यक्ति तीव्रता से किसी के लिए राग रखता है या किसी के लिए बहुत ज्यादा द्वेष रखता है, वह मोह के मायाजाल में फंस जाता है। इस तरह के व्यक्ति को जब जीवन में कोई समस्या आती है, तो उसका मन पूरी तरह से समस्या को सुलझाने में उलझ जाता है और वह अपना बहुमूल्य समय चिंता में खो देता है। इसके लिए, भगवान कृष्ण कहते हैं, 'जिनके पुण्य फलित होते हैं, वे अपने दुख से मुक्त हो जाते हैं और वे मेरी ओर आकर्षित होने लगते हैं। जिनके पाप (बुरे) कर्म अभी शुद्ध नहीं हुए हैं, वे अज्ञान और भ्रम में फंसे रहते हैं।' जब तुम प्रकाश की ओर चलते हो, तो अज्ञान का अंधकार स्वत: ही गायब होना शुरू हो जाता है। लेकिन पाप तुम्हें प्रकाश की ओर बढने नहीं देता। यही दुख, दर्द और पीडा का कारण बनता है। जब व्यक्ति पूरी तरह से यह जान लेता है कि वह शरीर नहीं है, शुद्ध चेतना है, तो उसे भरपूर शक्ति मिल जाती है। परमात्मा में विश्वास ही पर्याप्त है। वास्तव में परमात्मा को जानने का यही मतलब होता है।

कृष्ण सभी संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना मानव और दिव्यता के सभी पहलुओं का पूरी तरह से खिलना है। जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के उस विराट स्वरूप को अपनी चेतना में एक बार फिर सजीव करने के लिए अपने दैनिक जीवन में अपने सच्चे स्वरूप को प्रकट करना ही कृष्ण के जन्म होने का असली रहस्य है।

एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना

> ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है। इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है।

इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। यह माना जाता है कि यह सभी तरह के पापों का नाश करती है।

अचला एकादशी के दिन व्रत से जन्म-जन्मांतर के पाप और कलुषों का नाश होता है। माना जाता है कि माघ में सूर्य के मकर राशि में होने पर प्रयाग स्नान, शिवरात्रि पर काशी में रहकर किया गया व्रत, गया में पिंडदान, वृषभ राशि में गोदावरी स्नान, बद्रिकाश्रम में भगवान केदार के दर्शन या सूर्यग्रहण पर कुरुक्षेत्र में स्नान और दान करने से जो फल मिलता है, वही फल अपरा एकादशी के व्रत से प्राप्त होता है।

इस दिन उपवास करके भगवान के वामन अवतार की पूजा करने से मनुष्य को अपने पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तुलसी, चंदन, कपूर, गंगाजल सहित भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। देश में कहीं-कहीं बलराम-कृष्ण भी पूजा भी होती है। कहते हैं इस एकादशी के फल के बारे में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि अपरा एकादशी पुण्य प्रदाता और बडे पापों का नाश करने वाली है। इस दिन व्रत करने वाला किसी भी तरह के पाप से मुक्त होकर अंतत: विष्णुलोक में प्रतिष्ठा पाता है।

विष्णु पूजन शुभ फलदायी

अपरा एकादशी व्रत के दिन पूजा अर्चना का विशेष विधान रहता है। इस व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि से ही हो जाता है। व्रतधारक को दशमी तिथि से ही भोजन और आचार-विचार में संयम रखना चाहिए। एकादशी के दिन प्रात: जल्दी उठकर अन्य क्त्रियाओं से निवृत्त हो स्नान आदि के पश्चात भगवान विष्णु का पूजन किया जाना चाहिए। संध्या समय में भगवान को फल-फूल का भोग लगाकर धूप दीप से उनका पूजन करना चाहिए। इस व्रत की कथा का श्रवण करने से भी विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है।

इंद्रियों पर नियंत्रण के लिए एकादशी व्रत

शास्त्रों में कहा गया है- आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु। बुद्धिं तु सारथि विद्धि येन श्रेयोऽहमाप्यनुयाम। अर्थात आत्मा को रथी जानो, शरीर को रथ और बुद्धि को सारथी मानो। इनके संतुलित व्यवहार से ही श्रेय अर्थात श्रेष्ठत्व की प्राप्ति होती है।

इसमें इंद्रियों का अश्व तथा मन का लगाम होना भी अंतर्निहित है। ऋषियों ने अन्य मंत्रों में इसका भी जिक्र किया है। इस प्रकार दस इंद्रियों के बाद मन को ग्यारहवीं इंद्रि माना गया है। अतएव इंद्रियों की कुल संख्या एकादश होती है।

एकादशी तिथि को मन:शक्ति का केंद्र चंद्रमा क्षितिज की एकादशवीं कक्षा पर अवस्थित होता है। यदि इस अनुकूल समय में मनोनिग्रह की साधना की जाए तो वह सद्य: फलवती सिद्ध हो सकती है।

इसी वैज्ञानिक आशय से एकादशी पर धर्मानुष्ठान और व्रतोपवास का विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना।

चार मठ स्थापित कर आदि शंकराचार्य ने फूंके थे सनातन धर्म में प्राण

> भारतीय प्राचीन परंपरा में आदिशंकराचार्य को शिव का अवतार माना जाता है। वे वेदांत के अद्वैत मत के प्रणेता थे। उन्होंने हिन्दू धर्म को फिर से प्राणवान बनाने और देश को एकसूत्र में पिरोने का महती कार्य किया।

शंकराचार्य कहा कि परमात्मा एक ही समय में सगुण और निर्गुण दोनों ही स्वरूपों में रहता है। उन्होंने वेदों के ज्ञान को पूरे भारतवर्ष में पहुंचाने का काम किया और इस तरह भारतीय संस्कृति के उत्कर्ष में अहम भूमिका निभाई।

आदिशंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में धार्मिक मठों की स्थापना की। उन्होंने दक्षिण के श्रृंगेरी में शंकराचार्य पीठ, जगन्नाथपुरी में गोवर्धनपीठ, पश्चिम द्वारका में शारदामठ और बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्पीठ स्थापित किया। ये मठ भारत की एकात्मकता के परिचायक हैं।

इन चारों मठों के लिए उन्होंने शंकराचार्य पद की स्थापना करके अपने चार प्रमुख शिष्यों को यहां आसीन किया।

आदि शंकराचार्य आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए थे, बारह वर्ष की आयु में पहुंचते हुए वे सभी शास्त्रों में पारंगत थे, चौदह वर्ष की उम्र में ब्रहमसूत्र, गीता, उपनिषद पर भाष्य रचकर अल्पायु में उन्होंने संसार त्याग दिया।

अद्वैत मत के प्रवर्तक शंकराचार्य का दृष्टिकोण समन्वयवादी था। एक तरफउन्होंने अद्वैत चिंतन को पुनर्जीवित किया, तो दूसरी तरफउन्होंने जनसामान्य में प्रचलित मूर्तिपूजा का औचित्य भी सिद्ध करने का प्रयास किया। उनके अद्वैत दर्शन का सार है-

– ब्रहम और जीव मूल रूप से और तत्व रूप से एक ही हैं। हमें इन दोनों के बीच जो अंतर दिखाई देता है वह हमारे अज्ञान की वजह से है।

– जीवन से मुक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है। उसके बिना मुक्ति नहीं। – जीव की मुक्ति ब्रहम में लीन हो जाने में ही है। ब्रहम ही अंतिम सत्य है।

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था। व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते हैं।

गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है

> हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के संबंध को अत्यंत पावन और गौरवपूर्ण माना गया है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है। इसलिए हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

गुरु वह ऊर्जावान और ज्ञान का पुंज है जो हमारे भीतर आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करके सत्य से हमारा साक्षात्कार कराता है। गुरु के सानिध्य से जीवन की दिशा और दशा, दोनों बदल जाती है। उदाहरणस्वरूप अपनी विलक्षण प्रतिभा और ओजस्वी वाणी के द्वारा भारत की संस्कृति का परचम संपूर्ण विश्व में लहराने वाले स्वामी विवेकानंद को जब गुरु रामकृष्ण परमहंस का वरदहस्त प्राप्त हुआ तब वह नरेंद्रनाथ से स्वामी विवेकानंद के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी प्रकार गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद ने अजरुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के रूप में प्रतिष्ठित किया।1वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का निरंतर हास होता जा रहा है। गुरु शिष्य के पवित्र संबंधों पर भी इसका प्रभाव दिखाई पड रहा है। समाज में आवश्यकता है, ऐसे गुरुओं की जो दया, क्षमा, सदाचार इत्यादि मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए धैर्य, विवेक और त्याग आदि सद्गुणों के माध्यम से शिष्य को अंधकार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले चलें। इस प्रकार मानव मन में व्याप्त विष रूपी बुराई को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान होता है, परंतु सद्गुरु बडे भाग्य से मिलता है। सद्गुरु की तलाश शिष्य को ही नहींहोती, बल्कि गुरु भी अपने ज्ञान की धरोहर को सुरक्षित हाथों में सौंप कर परमानंद की अनुभूति करता है। शिष्य के समर्पण और श्रद्धा भाव को देखकर उसका अंतर्मन आश्वस्त हो जाता है।

वह शिष्य की कमियों को धैर्यपूर्वक सुधारते हुए उसे दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। सौभाग्यवश ऐसे स्वयंसिद्ध गुरु का संरक्षण यदि किसी को भी प्राप्त हो जाए, तो उसके जीवन में संकट रूपी बादलों के छाने के बावजूद उसका मन कभी विचलित नहींहोता। कल्याण के मार्ग में प्रवृत्त करने वाले ऐसे गुरुजनों को शत-शत नमन।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास

> **वास्तु जिंदगी** पर कैसे प्रभाव डालता है। इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

- पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है। यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें।
- शयनकक्ष में बैड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें।
- घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैऋत्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैऋत्य कोण में लगाएं।
- घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।
- स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें। यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।

हेल्थ केयर

लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के साइडइफेक्ट्स

लेजर द्वारा शरीर के बालों को निकालना कोई नई तकनीक नहीं है। दशकों से सौंदर्य उद्योग में इसने अपने पांव जमा रखे हैं। लेकिन इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि लेजर हेयर रिमूवल के असंख्य नकारात्मक प्रभाव है। सामन्यत: इसके बुरे प्रभाव हमारी त्वचा पर ही पड़ते हैं। मसलन त्वचा में जलन होना, अतिरिक्त बाल निकल आना, सूज जाना, लाल हो जाना आदि। लेकिन लेज़र हेयर रिमूवल सिर्फ त्वचा सम्बंधी समस्याओं को ही जन्म नहीं देती। इसके अलावा कई घातक बीमारियां भी लेज़र हेयर रिमूवल के चलते अपने पांव जमाने में सफल हो जाती है। अत: लेज़र हेयर रिमूवल का चयन करने से पहले इन अन्य बीमारियों के विषय में जानना आवश्यक हैं आइए जानते हैं।

आंखों में जलन: लेज़र हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान हमारी त्वचा के जो बाल जलते हैं उससे घातक रसायन निकलता है जो कुछ ही क्षणों में हवा में घुल जाता है। यदि ऐसे में हम अपनी आंखों को सुरक्षित न रखें तो इसका बुरा प्रभाव हमारी आंखों पर पड़ता है। आंखों में जलन हो सकती है। यही नहीं आंखों में खुजली भी हो सकती है। अत: लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट कराते समय अपनी आंखों को सुरक्षा कवच से अवश्य ढकें।

कैंसर: शायद आपको यह जानकर हैरानी हो कि लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान जो धुआं निकलता है, वह इतना घातक होता है कि उससे कैंसर तक होने की आशंका रहती है। असल में लेजर के दौरान निकल रहे धुएं में कई किस्म के रसायन होते हैं जिससे त्वचा में खुजली, जलन जैसी समस्या तो हो ही सकती है। लेकिन यदि 30 सेकेंड के अंदर इस धुएं से दूर न जाएं तो कैंसर के तत्व जन्म ले सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान निकल रहे धुएं में 377 किस्म के रसायन पाए गए हैं। इसमें से 20 रसायन कम्पाउंड ऐसे हैं जो घातक हैं इनमें कार्बन मोनोक्साइड भी है। इसके अलावा 13 ऐसे कारण भी इसमें शामिल हैं जिसके चलते कैंसर हो सकते हैं मसलन बेंज़ीन आदि।

पर्यावरण के लिए अशुद्ध तत्व: यह कहने की जरूरत नहीं है कि यदि पर्यावरण शुद्ध न हो तो हम बीमारी का घर बन सकते हैं। लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट ऐसे ही तत्वों को बढ़ावा देता है जिससे पर्यावरण दूषित हो सकता है। असल में लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान निकलने वाले 377 किस्म के रसायन में ऐसे रसायन भी मौजूद हैं जो एंवायरमेंटल टॉक्सिन हैं। इन्हें हम पर्यावरण विषाक्त पदार्थ भी कह सकते हैं।

नाक के लिए हानिकारक: लेज़र हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान निकलने वाला धुओं सबसे पहले हमारी नाक में ही घुसता है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के जरिये निकलने वाले धुएं में इतने फाइन पार्टिकल होते हैं जो सहजता से हमारी नाक में घुस सकते हैं। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जो तत्व हमारे शरीर में कैंसर जैसी बीमारी को जन्म दे सकता है तो फिर यह हमारी नाक को किस कदर नुकसान पहुंचा सकता है। इसका असर कहीं न कहीं हमारे फेफड़ों पर भी पड़ सकता है।

किसके लिए है ज्यादा घातक और सावधानी: यूं तो जो मरीज या महिलाएं जिन्हें लेज़र हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के जरिये अपने शरीर के सारे बाल निकालने का शौक हो, उनके लिए तो यह घातक है। साथ ही जो विशेषज्ञ नियमित रूप से 8 से 10 घंटा प्रतिदिन यही काम करते हैं, उनके लिए यह ज्यादा खतरनाक है। यह उनकी आंखों से लेकर, श्वसन प्रणाली, नाक आदि शरीर के सभी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। यही नहीं यदि वे सही प्रोटेक्टर का इस्तेमाल न करें तो उनकी त्वचा भी इससे अछूती नहीं रहेगी। लेज़र हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट के दौरान एक ही उपचार या कहें सावधानी बरती जा सकती है। खुद को पूरी तरह प्रोटेक्ट करें। श्वसन प्रणाली के सुरक्षाकवच का इस्तेमाल करें।

ऐसे करें धमनी और शिरा रोगों से बचाव

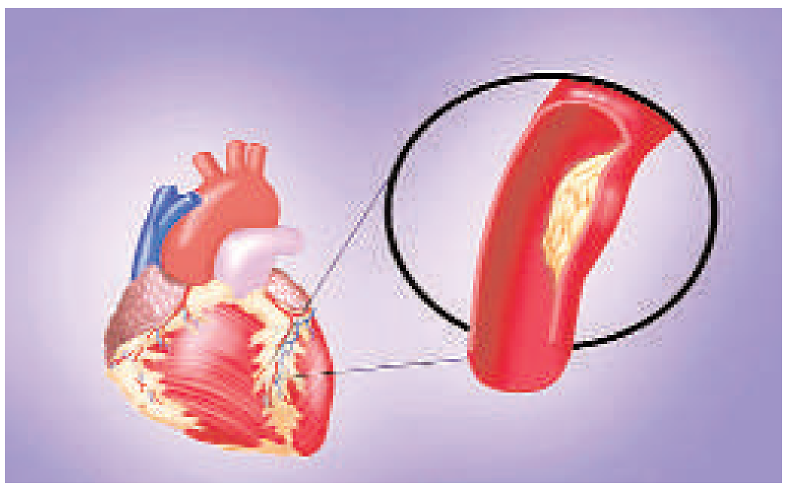

धमनी (ऑर्टरी) और शिरा (वेन) शरीर के लिए जरूरी प्रमुख अंगों से एक हैं। शिरा और धमनी खून को पूरे शरीर में संचार के लिए जिम्मेदार होती हैं, इनसे ही रक्त का परिसंचरण पूरे शरीर में होता है। धमनिया वे रुधिर यानी रक्त वाहिकाएं हैं जो खून को दिल से शरीर के विभिन्न अंगों की ओर ले जाती हैं। पल्मोनरी धमनी के अतिरिक्त इनमें शुद्ध खून बहता है। वहीं दूसरी तरफ शिरा यानी नसें रक्त को हृदय की तरफ ले जाती हैं। लेकिन इनसे जुड़ी कुछ बीमारियां हैं जिनसे बचाव करना चाहिए।

डीप वेन थ्रम्बोसिस

इसे डीवीटी भी कहते हैं, यह नसों यानी वेन से संबंधित समस्या है। इस समस्या के होने पर नसों में खून के थक्के बनने शुरू हो जाते हैं। यह समस्या पैरों में अधिक देखी जाती है। अगर परिवार में पहले भी यह समस्या किसी को हुई है तो इसकी चपेट में घर के अन्य सदस्य भी आ सकते हैं। सर्जरी के जरिये इस समस्या का उपचार होता है।

पल्मोनरी इम्बोलिज्म

यह बहुत हीं गंभीर समस्या है और इसके कारण मौत भी हो सकती है। इसमें फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं क्योंकि फेफड़े की तरफ रक्त संचार करने वाली नसों में इसके कारण खून के थक्के जम जाते हैं। खून के थक्के जमने के कारण फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और वे काम करना बंद कर देते हैं। सीने में दर्द, खांसते वक्त खून बहने जैसी लक्षण दिखाई देते हैं।

स्ट्रोक

वस्कुलर रोगों में यह मौत के प्रमुख कारणों में से एक है। केवल अमेरिका में प्रत्येक 4 में से एक व्यक्ति की मौत स्ट्रोक के कारण होती है। यह समस्या तब होती है जब दिमाग में रक्त का संचार करने वाली धमनियों में खून का थक्का बनने लगता है, इसके कारण दिमाग की कोशिकाएं मर जाती है और व्यक्ति की मौत हो जाती है।

एथेरोस्क्लेरोसिस

इस बीमारी के कारण कोरोनरी धमनियां संकरी हो जाती हैं और स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है। यह समस्या जानलेवा हो सकती है। प्रत्येक कोरोनरी धमनी हृदय के मांसपेशीय दीवार के किसी खास भाग को रक्त की आपूर्ति करती है, इसलिए किसी धमनी के ब्लॉक हो जाने पर यह जिस भाग को रक्त आपूर्ति करती है, उसमें दर्द होता है और वह ठीक से काम नहीं करता। इससे हृदय की रक्त को पंप करने की क्षमता कितनी प्रभावित होगी, यह प्रभावित भाग के स्थान और प्रभावित मांसपेशियों की मात्रा पर निर्भर करती है। व्यायाम की कमी और खानपान में अनियमितता के कारण यह समस्या होती है।

कैरोटिड धमनी रोग

यह बीमारी गर्दनी की दो प्रमुख धमनियों को प्रभावित करती है जो दिमाग में रक्त का संचार करने में सहायक होती हैं। इसके कारण दिल के दौरे की संभावना बढ़ जाती है। यह समस्या एथेरोस्क्लेरोसिस से भी जुड़ी है जिसमें धमनियां संकरी हो जाती हैं। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी की समस्या से बचा जा सकता है।

परीधीय धमनी रोग

इस समस्या को पीएडी के नाम से भी जाना जाता है जो कि एथेरोस्क्लेरोसिस से भी जुड़ा है, उम्र बढ़ने के साथ यह समस्या बहुत ही सामान्य हो जाती है। इस समस्या में पैरों और श्रोणि की नसें संकरी हो जाती हैं। इसके कारण पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार ठीक से नहीं हो पाता जिसके कारण पैरों में दर्द और थकान होती है। धूम्रपान, व्यायाम की कमी, खानपान में अनियमितता के कारण यह समस्या होती है।

वैरीकोज वेन्स

यह समस्या पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक देखी जाती है। इसमें पैरों की मांसपेशियों में सूजन हो जाती है, और ये नसें दिखने भी लगती हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान यह समस्या अधिक देखी जाती है। जब रक्त का संचार ठीक से नहीं होता तब यह समस्या होती है। इन नसों में दर्द, सूजन, जलन, खुजली होती है। मोटाप के कारण यह समस्या अधिक होती है।

कोरोनरी धमनी रोग

कोरोनरी ऑर्टरी डिजीज यानी सीएपीडी को कोरोनरी हार्ट डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल से संबंधित होने वाली समस्याओं में से एक है। यह समस्या तब होती है जब प्लेक धमनियों में ऑक्सीजन युक्त रक्त का संचार करता और एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण रक्त का संचार दिल तक नहीं हो पाता। इसके कारण सीने में दर्द, दिल का दौरा, दिल का काम न करने जैसी समस्या होती है।

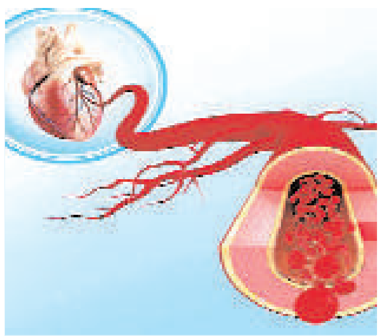

क्रोनिक वीनस इनसफिसिऐंशी

इसे सीवीआई भी कहते हैं, जो कि युवाओं को होने वाली एक सामान्य समस्या है। अमेरिका के वस्कुलर डिजीज फाउंडेशन के मुताबिक यह समस्या लगभग 20 प्रतिशत युवाओं में पाई जाती है। यह समस्या वैरीकोज वीन्स और डीप वेन थ्रम्बोसिस से भी जुड़ी है। इस समस्या में नस की दीवाल क्षतिग्रस्त हो जाती है जिसके कारण नसों से रक्त का संचार नहीं हो पाता। अधिक देर तक पैरों के सहारे खड़ा रहने के कारण यह समस्या अधिक होती है।

ब्रेन ऐंगजाइटी प्रॉब्लम

कलस्ट्रोफोबिया के बारे में जानना है जरुरी

क्या है कलस्ट्रोफोबिया: क्लोज-टू-फोबिया या कलस्ट्रोफोबिया एक तरह से ऐंगजाइटी की समस्या है जिसमें इंसान को किसी बंद जगह में डर लगने लगता है और उसे घबराहट होने लगती है। ये बहुत छोटी जगह में बंद हो जाने और अकेले रहने पर होती है। जैसे की लिफ्ट, हवाई जहाज या किसी छोटे कमरे में बंद होने पर जिसमें खिड़कियां नहीं होतीं। कभी-कभी ये समस्या इतनी अधिक हो जाती है कि मरीज ज्यादा टाइट कपड़े पहनने के बाद भी घबराहट महसूस करने लगता है।

लक्षण

- काफी अधिक पसीना आना
- हर्ट रेट बढ़ जाना
- ब्लड प्रेशर का बढ़ जाना
- चक्कर आना
- घबराहट होना
- जल्दी-जल्दी सांस लेना
- कंपकपाना
- पैनिक अटैक
- सिरदर्द
- संसेशन
- कभी-कभी छाती में भी दर्द होता है

अकेलापन और डर

आज का अधिकतर युवा घर से दूर शहरों में छोटे-छोटे कमरों में अकेला रह रहा है। ऐसी स्थिति में अकेलापन और डर का शिकार कोई भी आसान से हो सकता है। जिस कारण क्लोज-टू-फोबिया के लक्षण युवाओं में अधिक देखने को मिलते हैं। तो अगर कभी भी इस प्रकार का कोई लक्षण नजर आए तो सतर्क हो जाएं। जैसे ही क्लोज-टू-फोबिया से ग्रस्त मरीज किसी कमरे में घुसता है तो वो तुरंत बाहर जाने का या अपना मोबाइल चेक करने लगता है। और जब सारे दरवाजे और खिड़कियां बंद हो जाते हैं तो वो घबराहट महसूस करने लगता है। भीड़भाड़ वाली जगहों या किसी पार्टी में, चाहे वो काफी बड़े एरिया में ही क्यों ना हो, भी वे दरवाजे के पास ही रहना पसंद करते हैं। पीक टाइम पर ड्राइविंग करने से बचते हैं। गंभीर मामलों में मरीज लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चढ़ना ज्यादा पसंद करते हैं चाहे वे कितना ही थक जाएं।

कारण

- कलस्ट्रोफोबिया जैसी बीमारियां का कारण अतीत ही है ऐसा अतीत जिसने बचपन में अंदर तक डरा दिया है। या ऐसी कोई दुर्घटना जिससे व्यक्ति अंदर तक डर जाए और अब खुद पर भरोसा नहीं रहा कि वह किसी भी तरह की अनचाही स्थिति का सामना कर सकते हैं।
- इस बीमारी से युवाओं के ग्रस्त होने की आशंका इसलिए ज्यादा हो जाती है, खासकर लड़कियों की, क्योंकि वे शहरों में अकेले रहकर जॉब कर रहे हैं और उन्हें हमेशा सतर्क रहना पड़ता है कि कहीं कुछ हो ना जाए।

ऐसे करें बचाव

- **कलस्ट्रोफोबिया क्वाश्चनेयर** - 1993 में इसको इस्तेमाल किया गया और 2001 तक ये कलस्ट्रोफोबिया के लक्षणों की पहचान करने वाला मुख्य इलाज बन गया। ये तरीका ये खोज करने में काफी मददगार है कि मरीज को घबराहट की समस्या है या किसी चीज से उसको डर है।
- **कलस्ट्रोफोबिया स्केल** - 1979 में इस स्केल को बनाया गया था जिसमें 20 सवालों की एक सूची है। इन सवालों के जवाब के आधार पर मरीज की कलस्ट्रोफोबिया-फोबिया की जांच की जाती है।

तोंद छिपाकर ऐसे दिखें स्लिम एंड फिट

अगर आप की तोंद निकल आई है और आप इसे छुपाना चाहते हैं तो हम आप को कुछ आसान से टिप्स दे रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप अपनी तोंद छुपा सकते हैं।

लो वेस्ट जींस पहने

अपनी तोंद से खिसकती हुई पेंट को संभालने के लिए गेलिस का प्रयोग बिल्कुल न करें। गेलिस आपकी तोंद को और हाईलाइट करेगा। इसके लिए आप लो वेस्ट जींस का इस्तेमाल करें।

डार्क कलर पहने

डार्क कलर जैसे कि ब्लैक, डार्क ब्लू, नेवी ब्लू, डार्क ग्रीन, मैरून पहनने से मोटापा ज्यादा नहीं दिखाई देता है। लोग ऐसे कलर पहनकर पतले लगते हैं और आपकी तोंद भी नजर नहीं आती है।

ऐसे दिखेगी कम तोंद

आप जब भी अपने लिए जींस का चुनाव करें तो कोशिश करें कि वो हमेशा लो वेस्ट जींस ही हो । ऐसी जींस पहनने से आपका मोटापा कम दिखाई देता है। इस जींस के साथ आप कोई भी ढीली टीशर्ट पहन सकते हैं। ऐसा करने से आप पतले और फिट लगेंगे।

टाइट शर्ट कभी ना पहने

जिन लोगों का पेट निकला हुआ होता है उन लोगों को टाइट कपड़े पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऐसा करने से आप भद्दे दिख सकते हैं। कपड़ों का चुनाव करते समय आप हमेशा एक साइज ढीली टी शर्ट ही खरीदें। ऐसा करने से आप कम्फर्टेबल रहने के साथ अच्छे भी दिखेंगे।

अब बारिश को भी करें खुलकर इंजॉय

कुछ लोगों के लिए बारिश मस्ती और धमाल के मौके लेकर आती है तो कुछ लोग भीगने के डर से घर पर ही रहना पसंद करते हैं। वे चाहकर भी बारिश को इंजॉय नहीं कर पाते हैं। बारिश की बूदों से खुद को महफूज रखने वाले ऐसे ही लोगों के लिए मार्केट में कई तरह की जैकेट्स और रेन कोट मौजूद है जो इस सीजन में सभी को खासतौर पर गर्ल्स को बारिश में खुलकर इंजॉय करने के मौके दे रहा है...

प्रिंटेड रेन कोट

मॉनसून का सीजन आते ही कॉलेज स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। कॉलेज से लौटते वक्त अगर बारिश हो जाए तो यह मस्ती के मौके देती है लेकिन अगर कॉलेज जाते वक्त बारिश हो तो स्टूडेंट्स परेशान हो जाते हैं। पहले जहां मार्केट में सिंपल रेन कोट आते थे वहीं अब ट्रासपैरेंट रेन कोट, डॉट वाले रेनकोट और फ्लोरल प्रिंट वाले रेनकोट गर्ल्स को काफी पसंद आ रहे हैं। यह वन पीस में भी अवेलेबल हैं।

इको रेन सेल जैकेट्स

इन दिनों गर्ल्स की डिमांड को ध्यान में रखते हुए मार्केट में कई वरायटी में रेनकोट्स मौजूद हैं। खासतौर पर इको रेन सेल जैकेट्स गर्ल्स को खूब पसंद आ रही हैं।

प्रीचिप जैकेट

प्रीचिप जैकेट स्टाइलिश, वैल्यू ओरिएंटेड और फुल फंक्शनल रेनवेयर है। यह न सिर्फ आपको बारिश से बचाता है बल्कि स्मार्ट लुक भी देता है। साथ ही यह बेहद हल्का भी होता है और काफी रीजनेबल प्राइज में मार्केट में अवेलेबल है।

शॉर्ट्स पहनने के दिन

जैकेट्स और रेन कोट के साथ ही यह सीजन शॉर्ट्स पहनने का भी है। मॉनसून में स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑप्शंस की कमी होती है। ऐसे में यह मौसम केप्री, बरमूडा, शॉट्स और स्कर्ट को अलमारी से बाहर निकालने के लिए सबसे अच्छा और सही होता है। अगर आप ऑफिस ट्राउजर या पैंट पहनकर जाती हैं तो उन्हें फोल्ड करके स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। आप एंकल लेंथ या नी लेंथ की पैंट या केप्री भी पहन सकती हैं।

फैब्रिक का रखें खास ध्यान

वैसे तो कॉटन फैब्रिक हर सीजन के लिए अच्छा होता है लेकिन रेनी सीजन में इसे नजरअंदाज ही करना चाहिए। दरअसल, कॉटन भीगने पर जल्दी सूखता नहीं है और शरीर से चिपकता भी है। ऐसे मौसम में पोली नायलॉन्स, शिफॉन, रेयॉन जैसे फैब्रिक बेस्ट होते हैं। शिफॉन और जॉर्जट ऐसे फैब्रिक हैं जो भीगने पर जल्दी सूख जाते हैं और इन्हें आयरन करने की भी जरूरत नहीं होती।

बच्चों में डायबिटीज के प्रति आगाह करेगा प्रोटीन

बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के खतरे का अनुमान लगाना अब संभव हो सकेगा। उनके खून में पाए जाने वाले कुछ खास प्रोटीन से इस बीमारी के प्रारंभिक लक्षण का पता लग सकता है। इससे डायबिटीज के रोकथाम में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं ने यह दावा नए अध्ययन के आधार पर किया है। अध्ययन में ऐसे बच्चों को शामिल किया था। इस तरह के 30 बच्चों के रक्त के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

रेसिपी

ब्रोकली पकौड़ा

सामग्री

180 ग्राम शकरकंद, 100 ग्राम ब्रोकली, 20 ग्राम प्याज, 150 ग्राम स्प्रिंग ऑनियन, 120 ग्राम बेसन, 1 टी स्पून काला नमक, 1 टी स्पून गर्म मसाला, 1 टी स्पून करी पाउडर, 200 मिलीलीटर पानी,(कैलान्ट्रो कोकोनट सॉस), 10 ग्राम धनिया, 2 टेबल स्पून नींबू का रस, 130 मिलीलीटर नारियल दूध,1/2 टी स्पून नमक, 70 मिलीलीटर पानी, धनिया सजाने के लिए

विधि

एक बाउल में सारी सामग्री को लेकर अच्छे से मुलायम होने तक मिक्स करें।, एक भारी कढ़ाई में तेल गर्म करें और फिर चम्मच की सहायता से वैजीटेबल मिक्सचर को गर्म तेल में तलने के लिए डालें। सुनहरे होने तक तलें और फिर नैपकिन पेपर पर निकाल लें।, (कैलान्ट्रो नारियल सॉस), एक मिक्सी जार में सारी सामग्री को लेकर मुलायम होने तक चलाएं।, पहले से ही तैयार पकौडों पर कैलान्ट्रो कोकोनट सॉस डालें और ताजे धनिए से गार्निश करें।, फिर सर्व करें।

मिर्ची पकौड़ा

सामग्री

3/4 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून अमचूर पाउडर, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1/4 टी स्पून जीरा, 2 टेबल स्पून हरा धनिया(कटा), 2 टेबल स्पून पानी, 300 ग्राम हरी मिर्च, 120 ग्राम बेसन, 2 टेबल स्पून चावल का आटा, 1/8 टीस्पून बेकिंग सोडा, 1/4 टी स्पून हींग,1/2 टी स्पून लाल मिर्च,1/2 टी स्पून नमक,150 मि.लीटर पानी

विधि

एक बाउल में 3/4 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून अमचूर पाउडर,1 टीस्पून धनिया पाउडर,1/4 टी स्पून जीरा, 2 टेबल स्पून हरा धनिया(कटा) और 2 टेबल स्पून पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें।हरी मिर्चों को धोकर पीछे से वैसे ही रखते हुए बीच में से काट लें।, सभी हरी मिर्चो में बनाई हुई पेस्ट की थोड़ी स्टफिंग भरें। एक बाउल में 120 ग्राम बेसन, 2 टेबल स्पून चावल का आटा, 1/8 टीस्पून बेकिंग सोडा,1/4 टी स्पून हींग,1/2 टी स्पून लाल मिर्च,1/2 टी स्पून नमक और 150 मि.लीटर पानी को अच्छे से मिक्स कर लें।,हरी मिर्चो को इस मिक्सचर में डुबोकर अच्छे से कोट कर लें। गोल्डन ब्राउन होने तक अच्छे से डीप फ्राई करें और नैपकिन पेपर पर निकाल लें।, सॉस के साथ गर्म-गर्म सर्व करें।

संपादकीय

अब ट्रंप की हत्या का युद्ध

राष्ट्रपति ट्रंप ने 36 घंटे में पांच बार धमकियां दी हैं कि यदि ईरान ने उनकी हत्या कराने की कोशिश की, तो अमरीका उसे तबाह कर देगा, मिट्टी मलबा कर देगा। इसके लिए उन्होंने अमरीकी सेना को आदेश भी दे दिए हैं। पेंटागन एक लंबे साल तक ईरान पर हमले करने और बमबारी करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी खुलासा किया है कि 1000 मिसाइल 'लॉक' और 'लोडेड' कर दी गई हैं। अर्थात उनके निशाने तय कर दिए गए हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की गई, तो ईरान पर मिसाइलों और ताकतवर बमों की बारिश कर दी जाएगी। ईरान को लगभग नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने सार्वजनिक रूप से कसम खाई है कि उनके पिता और ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई और जंग में मारे गए लोगों का इंतकाम जरूर लिया जाएगा। यह ईरानी अवाम की मांग और भावनाएं भी हैं। मुज्तबा ने ट्रंप और नेतनयाहू को 'दुश्मन' करार दिया है। सुप्रीम लीडर के फरमान से साफ है कि दोनों की हत्या की जाए। सुप्रीम लीडर ने, अंततः, यहां तक कहा, 'हम रहें या न रहें, लेकिन बदला हर हाल में लिया जाएगा।' ट्रंप और मुज्तबा के बयान बेहद भयानक और खौफनाक हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की जाती है अथवा ईरान की साजिश वाली रणनीति कामयाब हो जाती है, तो अमरीका और ईरान ही नहीं, दुनिया के एक बड़े भूभाग में प्रलय मच जाएगी। विश्लेषकों के आकलन हैं कि ईरान युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान झेल चुकी है। ऊर्जा, गैस, खाद्य, मशीनरी, उर्वरक की आपूर्ति बाधित है, तो विश्व में ऐसे संकटों का भी तनाव बना रहेगा। अभी तक देशों ने अपने रिजर्व तेल भंडारों का इस्तेमाल किया है और युद्ध समाप्त होने की प्रार्थनाएं कर रहे हैं। यदि देशों के तेल भंडार भी खत्म होने लगेंगे, तो कच्चे तेल की कीमतें कौनसे आसमान तक जाएंगी, उनका अनुमान अभी संभव नहीं है। भारतीय अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि यदि युद्ध 3-4 सप्ताह और खिंच गया, तो कच्चा तेल 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि भारत को भी आर्थिक-ऊर्जा संबंधी चुनौतियां झेलनी पड़ेंगी। अभी तक गोदाम भरे थे, लिहाजा कोई चिंता नहीं थी, लेकिन गोदाम खाली होने के बाद कुल नुकसान 950 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। यह भारत की कुल जीडीपी से दोगुना से भी अधिक है। दरअसल बुनियादी सवाल यह है कि क्या ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप को मारने का रोडमैप तक तैयार कर लिया है अथवा इजरायल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' की रपट के आधार पर ही हत्या की धमकियां दी जा रही हैं? किसी भी देश के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष की जिंदगी पर मौत के भयावह साए मंडराते ही रहते हैं लेकिन ट्रंप पर राष्ट्राध्यक्ष बनने से पहले और बाद में जानलेवा हमले किए गए हैं। यहां तक खबरें हैं कि ईरान ने अमरीका में ही अपने 'स्लीपर सेल्स' सक्रिय कर दिए हैं। मेक्सिको के ड्रग्स तस्करों से भी बातचीत की खबरें सामने आई हैं, क्योंकि वे भी राष्ट्रपति ट्रंप के धुर विरोधी हैं और उनके गिरोह बेहद ताकतवर और हत्यारे माने जाते हैं। बहरहाल हम ऐसी खबरों की पुष्टि नहीं कर सकते। फिर भी सवाल है कि क्या ऐसी साजिशें भी अमरीकी राष्ट्रपति की हत्या कर सकती हैं? अमरीका ने अब्राहम लिंकन, जेम्स ए गैरीफील्ड, विलियम मैकिनले, जॉन एफ कैनेडी सरीखे चार राष्ट्रपतियों के हत्याकांड देखे और झेले हैं, लिहाजा ट्रंप की सुरक्षा में अतिरिक्त, कड़े, बहु लेयर बंदोबस्त किए जा रहे हैं। व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुफिया एजेंसियों की आपातकालीन बैठक बुलाई थी। अमरीका का भी इस युद्ध में 100 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो चुका है। उसके एमक्यू-9 ड्रोन तबाह हुए हैं। उसके लड़ाकू विमान ध्वस्त किए गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि यदि अमरीका को ईरान में जमीनी लड़ाई लडने की नौबत देखनी पडी, तो कमोबेश 10 लाख सैनिक चाहिए। और इतने सैनिक अमरीका बलिदान नहीं दे सकता। जमीनी लड़ाई के बिना अमरीका युद्ध नहीं जीत सकता। यदि ट्रंप की हत्या का बयान भी खोखला नारा साबित हुआ और ट्रंप का कार्यकाल भी समाप्त हो गया, तो एक मलाल शेष रह जाएगा।

पेंटागन एक लंबे साल तक ईरान पर हमले करने और बमबारी करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी खुलासा किया है कि 1000 मिसाइल 'लॉक' और 'लोडेड' कर दी गई हैं। अर्थात उनके निशाने तय कर दिए गए हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की गई, तो ईरान पर मिसाइलों और ताकतवर बमों की बारिश कर दी जाएगी। ईरान को लगभग नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने सार्वजनिक रूप से कसम खाई है कि उनके पिता और ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई और जंग में मारे गए लोगों का इंतकाम जरूर लिया जाएगा। यह ईरानी अवाम की मांग और भावनाएं भी हैं। मुज्तबा ने ट्रंप और नेतनयाहू को 'दुश्मन' करार दिया है। सुप्रीम लीडर के फरमान से साफ है कि दोनों की हत्या की जाए। सुप्रीम लीडर ने, अंतत:, यहां तक कहा, 'हम रहें या न रहें, लेकिन बदला हर हाल में लिया जाएगा।' ट्रंप और मुज्तबा के बयान बेहद भयानक और खौफनाक हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की जाती है अथवा ईरान की साजिश वाली रणनीति कामयाब हो जाती है।

कुछ अलग

बालों में होती है हैरत-अंगेज ताकत

हमारे बाल बेहद हल्के और नाजुक दिखाई देते हैं। तेज हवा का एक झोंका भी उन्हें बिखेर देता है, इसलिए यह कल्पना करना मुश्किल है कि यही बाल असाधारण ताकत के मालिक हो सकते हैं। लेकिन विज्ञान हमें बताता है कि मानव बाल प्रकृति की सबसे रोचक और मजबूत संरचनाओं में से एक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इंसान का एक स्वस्थ बाल लगभग 100 ग्राम तक वजन सहन कर सकता है। यह सुनने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन जब सिर पर मौजूद हजारों बालों की सामूहिक शक्ति की बात आती है तो आंकड़े चौंका देते हैं। एक औसत व्यक्ति के सिर पर लगभग एक लाख बाल होते हैं। यदि इन सभी बालों को सैद्धांतिक रूप से एक साथ जोड़ दिया जाए और उन पर समान रूप से भार डाला जाए, तो वे लगभग 10 से 12 टन तक वजन सहन कर सकते हैं। यह वजन दो बड़े हाथियों के संयुक्त भार के बराबर माना जाता है। बालों की इस अद्भुत मजबूती का रहस्य उनमें मौजूद केराटिन नामक प्रोटीन है। यही प्रोटीन हमारे नाखूनों और त्वचा की बाहरी परत में भी पाया जाता है। केराटिन के रेशे आपस में इस तरह जुड़े होते हैं कि वे बालों को लचीलापन और मजबूती दोनों प्रदान करते हैं। यही कारण है कि बाल खिंचने पर तुरंत टूटते नहीं, बल्कि पहले कुछ हद तक फैलते हैं और फिर अपनी मूल अवस्था में लौटने की कोशिश करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि ताकत के मामले में बाल की तुलना अक्सर स्टील से की जाती है. समान मोटाई के स्तर पर देखा जाए तो बाल का रेशा कई धातुओं के मुकाबले आश्चर्यजनक रूप से मजबूत साबित हो सकता है।

महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है। दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा।

देश दुनिया से

चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाता भारत

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्राओं के दौरान इन तीनों देशों के साथ हुई व्यापारिक वार्ताओं से निर्यात के नए अध्यायों की संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। 6 से 8 जुलाई को इंडोनेशिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ प्रभावी व्यापार वार्ता की। दोनों देशों ने आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं को इंडोनेशियाई बाजार में विस्तार देने पर बातचीत हुई। भारतीय जेनेरिक दवाओं के इंडोनेशिया में निर्यात को बढ़ाने के लिए नियामकीय बाधाओं को दूर करने पर समझौता हुआ। भारतीय कृषि उत्पादों और कृषि तकनीक के निर्यात के लिए नए रास्ते खोले गए। आस्ट्रेलिया में 8 से 10 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी के बीच मुख्य रूप से आर्थिक और व्यापारिक हितों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार को पूरी तरह लागू करने के लिए इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की समयसीमा तय की गई। भारत के इलेक्ट्रॉनिक और घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने के लिए ऑस्ट्रेलिया से लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की निर्बाध आपूर्ति पर समझौता हुआ। परमाणु और हरित ऊर्जा के साथ-साथ भारत के कपड़ा, चमड़ा, आभूषण और इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात पर सकारात्मक बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा 10 से 11 जुलाई तक हुई। इस दौरान ऐतिहासिक व्यापारिक वार्ता हुई। 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा थी, जिसका मुख्य एजेंडा व्यापारिक गतिरोधों को तोडना था। दोनों देशों ने आगामी वर्षों के लिए व्यापार का एक स्पष्ट खाका तैयार किया। दोनों देशों के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं (टैरिफ और गैर-टैरिफ) को हटाने पर गंभीर चर्चा हुई। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर सहमति बनी ताकि भारत की सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, दवाओं और प्रसंस्कृत खाद्य (कृषि उत्पादों) का न्यूजीलैंड में निर्यात तुरंत बढ़ाया जा सके।

गौरतलब है कि इस समय जब वैश्विक निर्यात की वृद्धि दर में कमी आते हुए दिखाई दे रही है, तब भारत निर्यात बढ़ाने के साथ इस वर्ष निर्यात के ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बोर्ड ऑफ ट्रेड की बैठक में सभी राज्यों के औद्योगिक संगठनों से कहा कि सरकार के द्वारा निर्यात की राह को आसान बनाया जा रहा है और भारत दुनिया के विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल एक लाख करोड़ डॉलर (एक ट्रिलियन डॉलर) के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात का लक्ष्य लगभग 530 अरब डॉलर (16-17 प्रतिशत वृद्धि) और सेवा निर्यात का लक्ष्य लगभग 470 अरब डॉलर (11-12 प्रतिशत वृद्धि) अनुमानित है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात 863 अरब डॉलर था। यह बात महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वस्तु निर्यात में 15 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 11 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इस समय सरकार के द्वारा जहां निर्यात बढ़ाने की रणनीति के तहत निर्यातकों को विभिन्न लाभ दिए जा रहे हैं, वहीं अब सरकार छोटे उद्योगों के अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन का खर्च 'निर्यात संवर्धन मिशन' के तहत उठाएगी। सरकार के द्वारा सतत टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस टेक्सटाइल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों को चिन्हित किया गया है। सरकार के द्वारा एफटीए के इस्तेमाल हेतु फ्रेमवर्क की निर्धारित नई रणनीति के तहत जिन क्षेत्रों में भारत पहले से ही उल्लेखनीय रूप से निर्यात कर रहा है, उन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाना, तरजीह शुल्क मिले हुए सेक्टर में निर्यात का विविधीकरण करना, गैर शुल्क बाधाएं कम करना तथा आपूर्ति से जुड़ी कमियों को दूर करना शामिल हैं। पिछले माह भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीइटीए) की समीक्षा के बाद कहा गया है कि यह समझौता 15 जुलाई से कार्यान्वित होगा। इससे भारत और ब्रिटेन दोनों लाभान्वित होंगे। खासतौर से भारत से निर्यात बढ़ेंगे एवं भारतीय पेशेवरों के लिए ब्रिटेन के बाजार में अवसर बढ़ेंगे। विगत 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमरीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी-7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता जल्द ही कार्यान्वित होगा। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं और यह जल्द ही पूर्णतया लागू होगा। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है।

आप का नज़रिया

अमरनाथ की चिंता

अमरनाथ यात्रा तो जारी रहेगी, पर इसकी आस्था के केंद्र बाबा बफार्नी के दर्शन नहीं हो पाएंगे। बर्फ से बनने वाला प्राकृतिक शिवलिंग आधिकारिक रूप से यात्रा शुरू होने के चार दिन बाद ही पिघल गया है। मई महीने में यह सात फीट से ज्यादा ऊंचा था, पर यात्रा शुरू से होने से पहले ही 29 जून को इसकी ऊंचाई घटकर पांच फीट रह गई थी। विगत 7 जुलाई को यह 90 प्रतिशत से ज्यादा पिघल गया। लगातार तीसरे साल समय से बहुत पहले ही बाबा ने भक्तों को दर्शन से वंचित कर दिया है। अमरनाथ यात्रा और उस पावन गुफा का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। यह गुफा हिमालय में 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जहां केवल पैदल, खच्चर या पालकी से पहुंचा जा सकता है। यह प्राकृतिक संयोग ही है कि हर वसंत ऋतु में गुफा की छत से टपकता जल जमते-जमते शिवलिंग की आकृति धारण करता है और यह भगवान शिव के प्रति श्रद्धा का एक अनुपम केंद्र बन जाता है। अफसोस, हिम-शिवलिंग दर्शन के दिन साल-दर-साल घटते चले जा रहे हैं। बीते वर्ष की बात करें, तो करीब 25 लाख लोग यात्रा पर गए थे, मगर उनमें से पांच प्रतिशत आस्थावान ही हिम-शिवलिंग के दर्शन कर पाए थे। इस वर्ष तो दर्शन करने वालों की संख्या और भी कम रही है। यात्रा जारी रहेगी, क्योंकि अमरनाथ गुफा का अपना महत्व है, किंतु वहां से ज्यादातर भक्त कुछ निराशा लिए लौटेंगे। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहली नजर में तो यह पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का दुष्परिणाम है। स्थानीय स्तर पर अमरनाथ गुफा या उस पूरे क्षेत्र के प्राकृतिक संरक्षण के लिए शायद कुछ भी नहीं किया गया है। भक्त जिस हिम-शिवलिंग की पूजा करते हैं, उसे प्रकृति ही निर्मित करती है। अगर प्रकृति का संरक्षण नहीं होगा, तो ऐसे विरल शिवलिंग के दर्शन भी नहीं होंगे। क्या उस क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं? क्या पहले की गई अच्छी सिफारिशों को लागू किया गया है? विशेषज्ञ बताते हैं कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड यहां पर्यावरण कानूनों की पालना पर्याप्त मुस्तैदी से नहीं करता है। पिछली सदी के अंतिम वर्षों तक अमरनाथ गुफा के निकट एक किलोमीटर के रास्ते में हर जगह हिम-दर्शन होते थे और हिम-शिवलिंग की ऊंचाई हफ्तों तक आठ-दस फीट तक बनी रहती थी। अब यात्रा के समय उस पूरे क्षेत्र में हिम-दर्शन दुर्लभ होता जा रहा है। प्रकृति पथराती जा रही है। अब क्या यात्रा के समय को बदलना होगा? क्या यात्रा की शुरुआत जुलाई से नहीं, जून से ही करनी पड़ेगी, ताकि लोग यहां दर्शन लाभ ले सकें? हालांकि, आने वाले समय में यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रकृति के चमत्कार के दर्शन के लिए वही लोग जाएं, जो प्रकृति के संरक्षण का महत्व समझते हैं, जो कचरा या गंदगी नहीं फैलाते, जो यहां तपस्या भाव से पहुंचते हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या सीमित करना, प्लास्टिक पर प्रतिबंध और प्राकृतिक मार्गों को उनके मूल रूप में बहाल करना जरूरी हो गया है। भक्तों की भीड़ अपने साथ तापमान भी लाती है, अतः पूरी यात्रा को पुनः नियोजित करने की जरूरत है। तीर्थयात्रियों की संख्या को नियंत्रित करने या घटाने की जरूरत है। नेचर रिव्यूज़ अर्थ ऐंड एनवायर्नमेंट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सन् 1950 के बाद से हिमालय में ऊंचाई वाले क्षेत्रों का तापमान वैश्विक औसत से 50 प्रतिशत अधिक तेजी से बढ़ा है। यदि हम हरसंभव उपायों से हिमालय को सहेजेंगे, तभी शिवलिंग के एक पावन स्वरूप के दर्शन कर पाएंगे। हिमालय सेवा हमारी संस्कृति में शिव सेवा से कम नहीं है।

बर्फ से बनने वाला प्राकृतिक शिवलिंग आधिकारिक रूप से यात्रा शुरू होने के चार दिन बाद ही पिघल गया है। मई महीने में यह सात फीट से ज्यादा ऊंचा था, पर यात्रा शुरू से होने से पहले ही 29 जून को इसकी ऊंचाई घटकर पांच फीट रह गई थी। विगत 7 जुलाई को यह 90 प्रतिशत से ज्यादा पिघल गया। लगातार तीसरे साल समय से बहुत पहले ही बाबा ने भक्तों को दर्शन से वंचित कर दिया है। अमरनाथ यात्रा और उस पावन गुफा का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। यह गुफा हिमालय में 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जहां केवल पैदल, खच्चर या पालकी से पहुंचा जा सकता है। यह प्राकृतिक संयोग ही है कि हर वसंत ऋतु में गुफा की छत से टपकता जल जमते-जमते शिवलिंग की आकृति धारण करता है और यह भगवान शिव के प्रति श्रद्धा का एक अनुपम केंद्र बन जाता है। अफसोस, हिम-शिवलिंग दर्शन के दिन साल-दर-साल घटते चले जा रहे हैं। बीते वर्ष की बात करें, तो करीब 25 लाख लोग यात्रा पर गए थे, मगर उनमें से पांच प्रतिशत आस्थावान ही हिम-शिवलिंग के दर्शन कर पाए थे। इस वर्ष तो दर्शन करने वालों की संख्या और भी कम रही है। यात्रा जारी रहेगी, क्योंकि अमरनाथ गुफा का अपना महत्व है, किंतु वहां से ज्यादातर भक्त कुछ निराशा लिए लौटेंगे। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहली नजर में तो यह पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का दुष्परिणाम है। स्थानीय स्तर पर अमरनाथ गुफा या उस पूरे क्षेत्र के प्राकृतिक संरक्षण के लिए शायद कुछ भी नहीं किया गया है। भक्त जिस हिम-शिवलिंग की पूजा करते हैं, उसे प्रकृति ही निर्मित करती है।

दृष्टि कोण

पेंशन सत्यापन सरल, सुरक्षित व डिजिटल

सेवानिवृत्ति किसी भी सरकारी कर्मचारी के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। दशकों तक देश और समाज की सेवा करने के बाद पेंशन उसके सम्मानजनक जीवन का आधार बनती है। यही कारण है कि पेंशन व्यवस्था को पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता रही है। इसी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जीवन प्रमाणपत्र, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि पेंशन प्राप्त करने वाला व्यक्ति जीवित है और पेंशन का वास्तविक हकदार भी वही है। वर्षों तक यह प्रक्रिया कागजी दस्तावेजों, कार्यालयों के चक्कर और लंबी कतारों तक सीमित रही, लेकिन डिजिटल तकनीक ने इस पूरी व्यवस्था को बदल दिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए पेंशनभोगियों तथा पारिवारिक पेंशनभोगियों के जीवन प्रमाणपत्र सत्यापन की प्रक्रिया 1 जुलाई 2026 से 30 सितंबर 2026 तक निर्धारित की है। इस बार सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए स्पष्ट किया है कि चिकित्सकीय रूप से अक्षम पेंशनभोगियों को छोडक़र सभी पेंशनभोगी एवं पारिवारिक पेंशनभोगी अपना जीवन प्रमाणपत्र डिजिटल प्रणाली के माध्यम से ही प्रस्तुत करेंगे। केवल वे पेंशनभोगी जो चिकित्सकीय रूप से अक्षम हैं, वे पूर्व की भांति संबंधित चिकित्सक द्वारा विधिवत प्रमाणित हस्ताक्षरित मैनुअल जीवन प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि डिजिटल सुशासन की दिशा में उठाया गया एक दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल पेंशनभोगियों को सुविधा मिलेगी बल्कि सरकारी अभिलेखों की पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। भारत सरकार ने वर्ष 2014 में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य पेंशनभोगियों को हर वर्ष सरकारी कार्यालयों अथवा बैंक शाखाओं में जाकर हस्ताक्षरित जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की अनिवार्यता से मुक्त करना था। आज यह प्रणाली देशभर में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है और करोड़ों पेंशनभोगी इसका लाभ उठा रहे हैं। आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से तैयार होने वाला यह डिजिटल प्रमाणपत्र सीधे संबंधित पेंशन वितरण प्राधिकरण तक पहुंच जाता है। इससे न तो कागजी दस्तावेजों की आवश्यकता रहती है और न ही बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

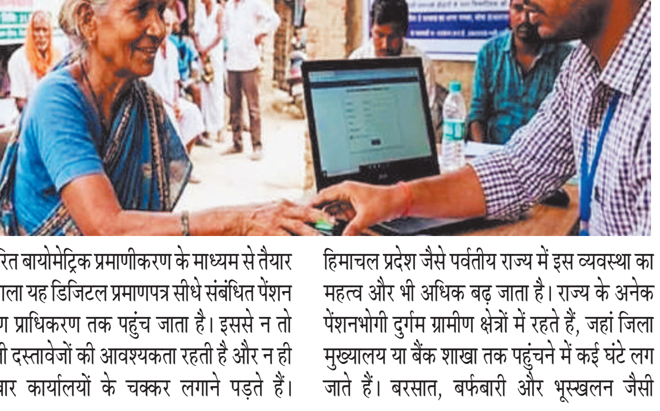

हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में इस व्यवस्था का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। राज्य के अनेक पेंशनभोगी दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जहां जिला मुख्यालय या बैंक शाखा तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते हैं। बरसात, बर्फबारी और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक परिस्थितियां भी कई बार आवागमन को प्रभावित करती हैं। ऐसे में डिजिटल जीवन प्रमाण व्यवस्था वरिष्ठ नागरिकों के लिए किसी राहत से कम नहीं है। इस वर्ष एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग (कोषागार, लेखा एवं लॉटरी) ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक को भी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार करने के लिए अधिकृत संस्था के रूप में शामिल कर लिया है। इसका सीधा लाभ उन हजारों पेंशनभोगियों को मिलेगा जो अपने निकटतम डाकघर तक तो आसानी से पहुंच सकते हैं, लेकिन बैंक अथवा कोषागार कार्यालय तक पहुंचने में कठिनाई महसूस करते हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और डाक विभाग का देश के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक विस्तृत नेटवर्क है। हिमाचल प्रदेश के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में डाकघर और ग्रामीण डाक सेवक उपलब्ध हैं। अब पेंशनभोगी अपने निकटतम डाकघर, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक शाखा अथवा डाक कर्मी की सहायता से भी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार करवा सकते हैं।

मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों के नाम है टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक

मुम्मई

टी20 अंतरराष्ट्रीय, क्रिकेट में अब तक सबसे अधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इस प्रारुप में सबसे अधिक पांच-पांच शतक आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और भारत के रोहित शर्मा के नाम हैं। इसके अलावा आस्ट्रिया के करनबीर सिंह और इंग्लैंड के फिल साल्ट हैं भी इस सूची में शामिल हैं।

ग्लेन मैक्सवेल : आस्ट्रेलियई आलराउंडर मैक्सवेल ने अब तक 5 बेमिसाल टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। 130 मैचों की 118 पारियों में उन्होंने 154.42 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 145 रन रहा है, और उन्होंने अपने करियर में 243 चौके और 150 छक्के जड़े हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है। रोहित शर्मा : रोहित ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में 5 शानदार शतक लगाए हैं और इस प्रारूप में सर्वाधिक रन (4231) बनाने का रिकार्ड भी उन्हीं के नाम है। साल 2007 के पहले टी20 विश्व कप से अपने सफर की शुरुआत करने वाले रोहित ने 159 मैचों की 151 पारियों में 140.89 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाये हैं। उनके नाम 32 अर्धशतक और नाबाद 121 रन का उच्चतम स्कोर भी है। अपनी बेजोड़ टाइमिंग और ताकत से उन्होंने रिकार्ड 383 चौके और 205 छक्के जड़े हैं, जो उन्हें टी20ई का सबसे सफल बल्लेबाज बनाता हैं हालांकि अब उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिय है। करनबीर सिंह : इस विशिष्ट सूची में तीसरा नाम आस्ट्रिया के करनबीर सिंह का है। एसोसिएट नेशन की ओर से खेलने वाले करबीर ने सिर्फ 60 मैचों की 59 पारियों में 4 शतक लगाकर सबको हैरान किया है। 48.71 की हैरतअंगेज औसत और 175.41 के तूफानी स्ट्राइक रेट से उन्होंने 2533 रन बनाए हैं। करनबीर का सर्वोच्च स्कोर 164 रन है, जो इस सूची में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। फिल साल्ट : चौथे स्थान पर इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से साल्ट ने है। 64 मैचों की 59 पारियों में उन्होंने 4 शतक और 10 अर्धशतकों के साथ 164.52 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 1846 रन बनाए हैं। साल्ट का सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 141 रन रहा है, और उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 186 चौके और 87 छक्के लगाए हैं। सूर्यकुमार यादव : इस इसी में भारत के सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। साल 2021 में पदार्पण करने के बाद से ही सूर्या ने टी20 क्रिकेट खेलने में अपनी क्षमता दिखायी है। उन्होंने 113 मैचों की 107 पारियों में 4 शतक और 25 अर्धशतकों की मदद से 3272 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 162.94 का रहा है, और उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रन है।

न्यूज ब्रीफ

सिनर ने ज्वेरेव को हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन टेनिस खिताब जीता, 30वां एटीपी खिताब जीता

लंदन। इटली के टेनिस स्टार यानिक सिनिर ने लगातार दूसरी बार विम्बलडन 2026 टेनिस खिताब जीता है।

विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने खिताबी मुकाबले में जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पुरुष एकल में 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर ये खिताब अपने नाम बरकरार रखा है। करीब 3 घंटे 46 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले के साथ ही सिनर ने अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के साथ ही 30वां एटीपी खिताब अपने नमा किया है। इस मुकाबले में ज्वेरेव ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआत में सिनर को कड़ी टक्कर दी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली और किसी को भी ब्रेक अंक नहीं मिला। इसके बाद मुकाबला टाई-ब्रेक में पहुंच गया। यहां ज्वेरेव ने शानदार सर्विस और आक्रामक खेल से पहला सेट जीत लिया। वहीं पहले सेट की हार के बाद भी सिनर ने धैर्य बनाये रखा और दूसरे सेट में उन्होंने टाई-ब्रेक में अच्छा प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को जीत लिया जिससे मुकाबला एक-एक सेट से बराबरी पर आ गया। वहीं तीसरे सेट में ढाई घंटे से अधिक समय तक दोनो के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। ज्वेरेव को मैच का पहला ब्रेक अंक मिला पर सिनर ने अच्छे शाट्स खेलकर अपने का मुकाबले में बनाये रखा। सिनर ने इसके बाद बेहतर प्रदर्शन कर पहला सर्विस ब्रेक हासिल कर लिया। इसके बाद उन्होंने 6-3 से तीसरा सेट जीतकर बढ़त बना ली. वहीं चौथे सेट में ज्वेरेव ने वापसी के प्रयास किये पर विफल रहे। सिनर ने 3-3 की बराबरी के बाद उन्होंने निर्णायक ब्रेक हासिल किया और फिर शानदार सर्विस गेम खेलते हुए मुकाबला जीता।

रमीज ने वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बदलने पर उठाये सवाल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के वेस्टइंडीज

और इंग्लैंड दौर से पहले एक बार फिर कप्तान बदलने पर पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने सवाल उठाये हैं। राजा ने कहा कि ये गलत कदम है, जिस प्रकार से शान मसूद को हटाकर बाबर म को कप्तानी सौंपी गयी है उससे कोई लाभ नहीं होगा। पूर्व में पीसीबी प्रमुख रहे रमीज के अनुसार खराब प्रदर्शन पर केवल कप्तान को बदलने से कुछ नहीं होने वाला। रमीज कहा कि जब किसी कप्तान को लगातार साधारण खिलाड़ियों का समूह दिया जाता है, तो आप बेहतर परिणाम किया प्रकार से मिल सकते हैं। साथ ही पूछा है कि अगर टेस्ट टीम का स्तर अच्छा नहीं है, तो केवल कप्तान क्या कर सकता है रमीज के अनुसार क कप्तान की सफलता पूरी तरह से उसे मिली टीम पर निर्भर करती है। उनका मानना है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितने अच्छे खिलाड़ी उसे दिए जाते हैं। अपने इस बयान से रमीज ने पीपीसी पर करारा तंज किया है। गौरतलब है कि शान ने दिसंबर 2023 से 16 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। इसमें टीम को 12 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के लिहाज़ से यह प्रदर्शन अच्छा नहीं है पर रमीज का कहना है कि इस प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से मसूद को दोषी बताना सही नहीं है क्योंकि उन्हें एक कमजोर टीम दी गयी थी। रमीज ने कहा कि बाबर भी इस टीम के साथ बेहतर परिणाम नहीं दे पायेंगे क्योंकि शान जैसी चुनौतियों का सामना उन्हें भी करना पड़ेगा।

भारतीय टीम को विदेशी पिचों के अनुसार भी खेलना सीखना होगा : डोइशे

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए सहायक कोच

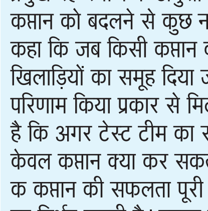

रियान टेन डोइशे ने कहा है कि उसे विदेशी हालातों के अनुसार ढ़लना सीखना होगा। डोइशे के अनुसार भारतीय टीम अभी विदेशी पिचों के अनुरुप ढ़ल नहीं पा रही है। इसी कारण उसके बल्लेबाज असफल हो रहे हैं। कोच के अनुसार टीम को अलग-अलग माहौल के अनुकूल अपने को जल्दी ढालने की प्रक्रिया को समझना होगा और उसी को देखते हुए खेलना होगा। डोइशे ने कहा, हमने इस दौरे में अपने को ढालने के बारे में काफी चर्चा की है। यह कहना आसान है कि हमें अनुकूलन करना चाहिए, लेकिन हमें उस प्रक्रिया को समझना होगा कि इसके लिए वास्तव में क्या करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक और मानसिक तौर पर, भारतीय टीम के लिए यह समझना सबसे बड़ी चुनौती है कि हम विदेशी हालात में क्यों अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की ओर देखने और दो साल बाद आस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की सलाह दी है क्योंकि वहां उन्हें एक अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा। सहायक कोच ने कहा हमें ऐसी टीम चाहिये जो भारतीय मैदानों के आलावा विदेशी धरती पर भी उसी प्रकार से खेल सके। उन्होंने कहा कि टीम को विदेशी स्थानों पर भी अच्छा खेलना सीखना होगा। इसके लिए केवल टीम को अपनी मानिकता में बदलाव लाना है क्योंकि भारत में जहां सपाट पिच हैं ।

यूपीटी20 सीजन-4 का आयोजन 14 अगस्त से, पहली बार लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे मुकाबले

कानपुर

उत्तर प्रदेश टी20 लीग (यूपीटी20) के चौथे सीजन का आयोजन 14 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 34 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच दिवस शामिल होंगे। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने रविवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।

इस बार पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों में होगा। टूर्नामेंट का पहला चरण लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 13 मैच दिवसों में कुल 22 मुकाबले होंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां शेष 12 मैच खेले जाएंगे।

लीग का उद्घाटन समारोह और पहला मुकाबला लखनऊ में होगा, जबकि फाइनल और समापन समारोह कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

रविवार को हुई यूपीसीए गवर्निंग काउंसिल की बैठक में चौथे सीजन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला का खेलों के विकास में निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

यूपीसीए ने अपने बयान में कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजीव शुक्ला के प्रोत्साहन से पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों—लखनऊ और कानपुर—में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक फैसले का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में क्रिकेट का विस्तार करना, राज्य के खेल बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करना और लीग को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाना है।

बैठक में टूर्नामेंट के कार्यक्रम, आयोजन स्थल, खिलाड़ी नीलामी, संचालन, प्रतिभा विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यूपीटी20 सीजन-4 की मिनी नीलामी 24 जुलाई 2026 को आगरा में आयोजित होगी, जिसमें छह फ्रेंचाइजियों के लिए 45 खिलाड़ी स्लाट उपलब्ध रहेंगे।

गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन नीति, खिलाड़ी चयन प्रक्रिया, कैचमेंट एरिया ट्रायल, सपोर्ट स्टाफ चयन दिशा-निर्देश और मिनी आक्शन नियमों को भी मंजूरी दी है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रहे।

स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए इस बार भी कैचमेंट एरिया माडल जारी रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना लगातार चौथे सीजन में भी यूपीटी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। वहीं लीग का लोकप्रिय आधिकारिक एंथम खिलाड़ी यहां बनता है भी इस सीजन में जारी रहेगा। खिलाड़ियों और टीमों को प्रोत्साहित करने के लिए इस बार भी कुल 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। विजेता टीम को 1 करोड़ रुपये, उपविजेता को 60 लाख रुपये, जबकि अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को भी आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। यूपीसीए ने इस बार सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए हर बाउंड्री, एक नई हरियाली अभियान की शुरुआत करने का फैसला किया है। इस पहल के तहत टूर्नामेंट में लगाए जाने वाले हर चौके और हर छक्के पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक-एक पौधा लगाया जाएगा।

यूपीसीए का मानना है कि इस अभियान से क्रिकेट का रोमांच पर्यावरण संरक्षण से जुड़ेगा और युवा पीढ़ी को प्रकृति बचाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

यूपीसीए ने कहा कि उसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना और राज्य को देश में क्रिकेट प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र बनाना है। पिछले तीन सफल सीजन के बाद इस बार चौथे संस्करण को लीग का अब तक का सबसे बड़ा, बेहतर और सबसे प्रतिस्पर्धी संस्करण बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं।

साल के अंत में नेपाल दौरे पर जाएगी भारत ए टीम

मुम्बई

भारत ए क्रिकेट टीम इस साल के अंत में नेपाल का दौरा करेगी। इस दौरे में भारत एक नेपाल टीम से तीन मैचों की सीरीज खेलेगी इससे नेपाल टीम को काफी लाभ होगा। दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड इस दौर को लेकर सहमत हैं। इस दौरे में सभी मुकाबले नेपाल के कीर्तिपुर स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में खेले जाएंगे।

इस महत्वपूर्ण दौरे को स्काटलैंड के एडिनबर्ग हुए आईसीसी के सालान सम्मेलन के दौरान तय किया गया था।। इस अवसर पर नेपाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चतुर बहादुर चंद और सचिव पारस खड़का ने भारतीय बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया के साथ मुलाकात की थी, जिसमें दोनों बोर्डों ने सर्वसम्मति से इस सीरीज पर अपनी मुहर लगाई। इससे दोनो देशों के बीच खेल संबंध बेहतर होंगे। सीरीज का पूरा शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है।

पहला टी20 मुकाबला 9 दिसंबर 2026 को होगा, जिसके बाद दूसरा मैच 11 दिसंबर 2026 को और तीसरा व अंतिम मैच 13 दिसंबर 2026 को निर्धारित है। तीनों ही मैच त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में ही खेले जाएंगे, जिससे प्रशंसकों को लगातार तीन दिनों तक रोमांचक क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा। यह सीरीज भारत ए टीम में शामिल होने वाले युवा और उभरते खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर होगा।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाली युवा प्रतिभाएं और भारतीय सीनियर टी20 टीम में जगह बनाने के इच्छुक दावेदार इस दौरे पर अपने को साबित कर सकते हैं। यह उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव में प्रदर्शन करने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अनमोल अनुभव प्रदान करेगा, जिससे उनके भविष्य के करियर को नई दिशा मिलेगी। वहीं, नेपाल की राष्ट्रीय टीम को भी एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलने का बहुमूल्य अवसर मिलेगा। यह अनुभव उनके खिलाड़ियों के कौशल और रणनीतिक समझ को निखारने में सहायक होगा, जिससे वे भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

महिला वॉलीवाल नेशंस लीग

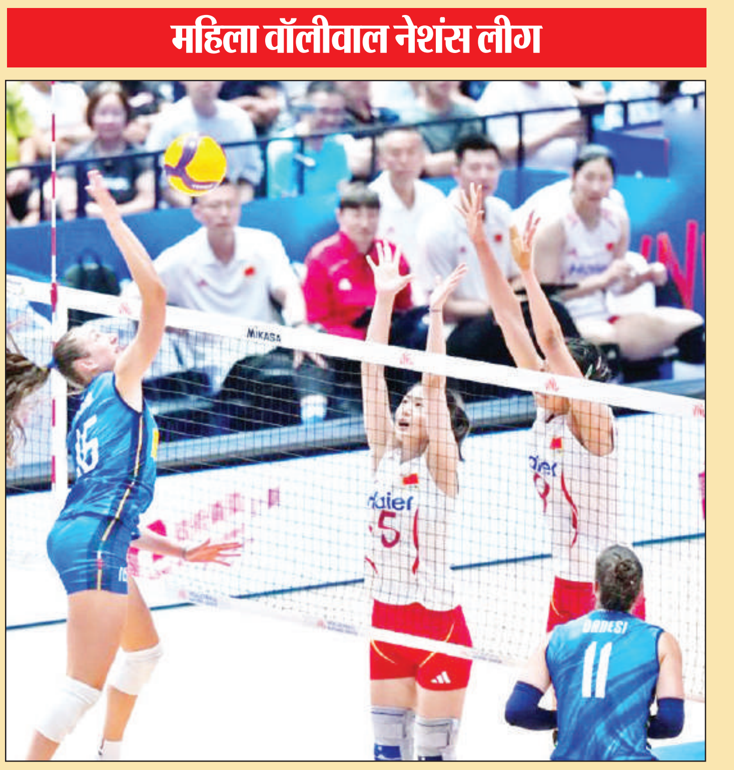

हांगकांग में महिला वालीवाल नेशंस लीग में भाग लेती हुई इटली और चीन की टीमें।

गांगुली और द्रविड़ के कारण संन्यास पर मजबूर हुए थे मांजरेकर

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने समय के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी उनका करियर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। मांजरेकर ने इसके पीछे सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ के छा जाने को बताया है जिसके कारण उन्हें असमय ही संन्यास के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मांजरेकर जब भारतीय क्रिकेट में आये थे तब उनकी बल्लेबाजी तकनीक देखकर लोगों को उनमें सुनील गावस्कर की छवि नजर आयी। इस क्रिकेटर को क्रिकेट विरासत में मिला था। उनके पिता विजय मांजरेकर जिन्होंने टीम के दिग्गज बल्लेबाज रहे थे। उन्हें पूरा भरोसा था कि उनका बेटा एक दिन न सिर्फ खेलेगा, बल्कि टीम इंडिया की जर्सी भी पहनेगा जो आंखिरकार सच भी हुआ।

मांजरेकर जब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले, उनकी पहचान एक तकनीकी रूप से बेहद सक्षम और ठोस बल्लेबाज के तौर पर रही। विशेष रूप से विदेशी पिचों पर उनका रिकार्ड बेहद शानदार और अनुकरणीय था। उनकी इसी लाजवाब बल्लेबाजी तकनीक के कारण साथी खिलाड़ी उन्हें कई बार मिस्टर परफेक्ट कहकर पुकारते थे। हालांकि तब सचिन तेंदुलकर उन्हें अनूठे व्यक्तित्व के कारया मिस्टार डिफरेंट नाम से बुलाते थे।

इतनी क्षमताओं के बाद भी मांजरेकर अपने करियर में वह ऐतिहासिक बुलंदी हासिल नहीं कर पाए जिसकी उनसे उम्मीद थी। इसकी वहज उन्हें साल 2018 में लान्च हुई अपनी आत्मकथा इंपर्फेक्ट में बतायी है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ और गांगुली के उभरने से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया।

मांजरेकर ने अपनी किताब में लिखा कि जब उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बनाया, तब वे टीम के एक महत्वपूर्ण बल्लेबाज थे और आउट आफ फार्म भी नहीं थे। लेकिन 1996 के ऐतिहासिक इंग्लैंड दौरे ने उनके सोचने का तरीका पूरी तरह बदल दिया। उस दौरे पर द्रविड़ और गांगुली का प्रदर्शन देखकर उन्हें लगा कि अब संन्यास लेन ही सही है। तब वे वे समझ चुके थे कि अब उनका समय पूरा हो गया है और युवाओं के लिए रास्ता छोड़ना ही बेहतर होगा। संन्यास लेने के बाद मांजरेकर ने एक कमेंटेटर के तौर पर अपनी अलग पहचान बनायी। अपनी बेबाक राय के चलते वह कई बार विवादों में भी घिरे। मांजरेकर अपनी किताब में सचिन की आलोचना करने में भी पीछे नहीं रहे। मांजरेकर ने लिखा कि जब सचिन अपने करियर के अंतिम पड़ाव से गुजर रहे थे, तब कई बार उनकी खराब फार्म के बाद भी वह टीम में जमे रहे जिससे उभरत हुए खिलाड़ियों के साथ अन्याय हुआ।

सिर्फ अर्जेंटीना ही नहीं, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा : याकिन

कैनसस सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना से 1-3 की हार के बाद स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच मुरात याकिन ने रेफरी और वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के फैसलों पर नाराजगी जताई है। हालांकि उन्होंने टीम के अंतिम आठ तक पहुंचने के प्रदर्शन को सफल अभियान बताया।

रविवार को आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में याकिन के साथ स्विस फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष पीटर क्नाबेल और राष्ट्रीय टीम के निदेशक पियरलुइगी टामी भी मौजूद थे। तीनों ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की, लेकिन क्वार्टर फाइनल में मिली हार को निराशाजनक बताया।

मैच में स्विट्जरलैंड ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल किया था, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को वीएआर समीक्षा के बाद सिमुलेशन (डाइव लगाने) के आरोप में दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम पर अर्जेंटीना ने दबाव बनाया और मुकाबला 3-1 से जीत लिया।

हार के बाद याकिन ने रेफरी के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा, हमने सिर्फ एक शानदार अर्जेंटीना टीम और मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ ही नहीं खेला, बल्कि 70 हजार अर्जेंटीना समर्थकों, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा। यह किसी भी टीम के लिए बहुत ज्यादा था। स्वाभाविक है कि इस तरह बाहर होना दर्द देता है।

हालांकि स्विस कोच ने भविष्य को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, हमारा सफर यहां खत्म नहीं हुआ है। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। हमने लगातार नई प्रतिभाओं को टीम में शामिल किया है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

अपने भविष्य पर बात करते हुए याकिन ने स्पष्ट किया कि वह टीम के साथ बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे अब भी कोचिंग से उतना ही प्यार है और स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच होना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टीम के साथ काम करना मुझे बेहद पसंद है। मेरे मन में किसी दूसरे रास्ते पर जाने का कोई विचार नहीं है।

51 वर्षीय मुरात याकिन पिछले पांच वर्षों से स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच हैं और उनके अनुबंध में अभी दो वर्ष बाकी हैं। खिलाड़ी के रूप में वह स्विट्जरलैंड के लिए 49 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। याकिन ने आगे कहा, हम आने वाले अभियानों में भी महत्वाकांक्षी बने रहना चाहते हैं। साथ ही नेशंस लीग जैसे टूर्नामेंट हमें युवा खिलाड़ियों को अवसर देने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। अब स्विट्जरलैंड की टीम यूईएफए नेशंस लीग के दूसरे स्तर में खेलेगी। 2024 में रेलीगेट होने के बाद उसका मुकाबला आगामी महीनों में नार्थ मैसेडोनिया, स्काटलैंड और स्लोवेनिया से होगा।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में

भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा 16 को

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, भाग्यनगर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं श्री सुभद्रा माता की भव्य रथयात्रा का आयोजन गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को किया जाएगा। रथयात्रा श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा से दोपहर 3:00 बजे प्रारंभ होगी।

रथयात्रा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ शृंगी वंदना के साथ हुआ।

समाज के महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने बताया कि शुभ मुहूर्तानुसार दोपहर 3:21 बजे भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा से प्रारंभ होकर बर्तन बाजार, स्वास्तिक मिर्ची, बेगम बाजार छतरी, वंदे मातरम् स्कूल, शृंगी ऋषि मार्ग (दाल मंडी), आर्यन स्पोर्ट्स एवं फली मार्केट होते हुए पुनः श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा पहुंचेगी।

रथयात्रा के उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ को छप्पन भोग एवं छत्तीस प्रकार के व्यंजनों का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा, जिसके दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे। सायं 7:11 बजे भगवान की महाआरती के पश्चात सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।बैठक में रामदेव नागला, रामदेव व्यास (बिरांठिया), मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, संदीप जायलवाल, सतवीर उपाध्याय, लखन तिवारी एवं किशोरीलाल तिवारी उपस्थित रहे। अंत में समाज के सह-कोषाध्यक्ष रामनिवास ओझा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिसके साथ बैठक का समापन हुआ।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने एसआईआर फॉर्म भरने के लिए शुरू की नि:शुल्क सहायता सेवा

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था पिछले 14 महीनों से आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा प्रत्येक माह हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर परिसर में लगभग 40 राशन किट एवं घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

इस सेवा कार्य के प्रमुख सहयोगियों में श्री मंगतराय जी–रामकुमार जी के परिवार से श्री राधेश्याम जी गुप्ता, ड्यूक्स परिवार के श्री केदारनाथ जी अग्रवाल, श्री पुरुषोत्तम दास जी–सुरेश कुमार जी पीपलिया (टंडन) तथा संस्था के संस्थापक सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, रतन गुप्ता, अशोक कुमार दादरीवाले एवं आर. ए. अग्रवाल शामिल हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का दायित्व कैलाश अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा संभाला जा रहा है।

संस्था ने बताया कि वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के अंतर्गत एन्यूमरेशन फ़ॉर्म भरने का अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, इस प्रक्रिया को लेकर सोशल मीडिया, विशेषकर व्हाट्सएप पर प्रसारित विभिन्न वीडियो एवं रील्स में अलग-अलग जानकारी दिए जाने के कारण अनेक लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते कई नागरिकों को फॉर्म भरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी समस्या के समाधान के लिए संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल (मो. 9396222880) एवं रतन गुप्ता (मो. 9848043817) अग्रबंधुओं को पूरी तरह नि:शुल्क एवं निस्वार्थ सहायता प्रदान कर रहे हैं।

संस्था ने विशेष रूप से बंजारा हिल्स एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले अग्रबंधुओं से अपील की है कि वे अपने डखठ एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने के लिए उपरोक्त सदस्यों से संपर्क कर उनके कार्यालय पहुंच सकते हैं। फॉर्म भरवाने के लिए केवल दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाना आवश्यक है।

संस्था ने यह भी बताया कि अनेक अग्रबंधुओं के फॉर्म मोबाइल फोन के माध्यम से भी सफलतापूर्वक भरवाए जा चुके हैं, जिससे लोगों को काफी सुविधा मिली है।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने सभी अग्रबंधुओं से इस नि:शुल्क सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा आवश्यकता पड़ने पर संस्था से संपर्क करने की अपील की है।

भावसार वज़िन इंडिया ने लगाया नि:शुल्क लिवर फाइबरेस्कैन एवं स्वास्थ्य जांच शिविर

97 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ, विशेषज्ञों ने दी स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली की जानकारी

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भावसार वज़िन इंडिया, हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष सुत्रावे के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से अशोक नगर कल्चर एसोसिएशन, हिमायतनगर में नि:शुल्क लिवर फाइबरेस्कैन एवं बहु-विशेषज्ञ स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में लिवर फाइबरेस्कैन स्क्रीनिंग के साथ-साथ दंत परीक्षण, रक्तचाप जांच, मधुमेह (शुगर) जांच, वजन परीक्षण, सामान्य चिकित्सक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श जैसी स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञ श्री सुरेश पाटिल द्वारा सुजोक एक्यूप्रेशर थेरेपी तथा डॉ. मीना पतंगे द्वारा संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। शिविर में सभी चिकित्सकीय जांच मेडीकवर हॉस्पिटल के सहयोग से संपन्न हुईं। शिविर में 97 से अधिक सदस्यों ने भाग लेकर विभिन्न स्वास्थ्य जांचों एवं विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। इस अवसर पर डॉ. मीना पतंगे ने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर उपयोगी जानकारी दी। वहीं श्री सुरेश पाटिल ने सुजोक एक्यूप्रेशर थेरेपी के माध्यम से अनेक प्रतिभागियों को राहत प्रदान की।

संस्था ने प्रत्येक सामाजिक एवं स्वास्थ्य परियोजना में निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने के लिए पूर्व गवर्नर श्री मोहन राव देवतराज के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही, इस विशेष स्वास्थ्य पहल के लिए लिवर फाइबरेस्कैन मशीन उपलब्ध कराने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष सुत्रावे का विशेष अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिविर को अपेक्षा से कहीं अधिक उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। सीमित समय एवं संसाधनों के कारण अनेक इच्छुक लोगों का पंजीकरण बंद करना पड़ा, जिससे समाज में इस प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों की बढ़ती आवश्यकता स्पष्ट रूप से सामने आई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, मेडीकवर हॉस्पिटल की टीम, स्वयंसेवकों, प्रायोजकों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति भावसार वज़िन इंडिया, हैदराबाद ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा अश्विनी पतंगे, मंत्री श्री घनश्याम पतंगे, कोषाध्यक्ष श्री जवाहर भरड़े सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गणेश मंदिर में सुंदरकांड भजन संध्या सम्पन्न

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आचार्य सत्य प्रकाश तिवारी के सान्निध्य में चादर घाट स्थित गणेश मंदिर में सुंदरकांड भजन संध्या एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष रामपाल पाण्डेय, उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, सचिव अवधेश द्विवेदी, प्रवक्ता नीरज तिवारी, प्रदीप कुमार पाण्डेय, राजन शुक्ला, बीरेंद्र पाण्डेय उपस्थित रहे।

भजन संध्या में भजन गायक जीवेश द्विवेदी, महेश गौतम, भोले महाराज, सतीश त्रिपाठी, रमेश मोदानी, मुरलीधर गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए। सभी ने भजन-कीर्तन कर महाप्रसाद ग्रहण किया।

अमावस्या पर केबीआर पार्क में अन्नदान

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को अमावस्या के पावन अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अमावस्या के दिन अन्नदान का विशेष महत्व है। भारतीय संस्कृति में भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ पुण्य कार्य माना गया है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सेवा भावना को अपना ध्येय बनाकर निरंतर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रहा है। ग्रुप का यह नियमित अन्नदान अभियान न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटाने का माध्यम है, बल्कि समाज में सेवा, करुणा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को भी सशक्त बना रहा है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान करते हुए संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

समाज सेवी सोहनलाल कड़ेल की 75 वी वर्षगाँठ पर बधाई देते हुए भाजपा नेता एवं महेश बैंक वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी एवं कार्तिक राठी।

राजस्थान फाउंडेशन ने किया प्रवासी राजस्थानी संगम का शुभारंभ, 9 अगस्त को होगा बड़ा सम्मेलन

बेंगलुरु, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) राजस्थान फाउंडेशन, बैंगलोर चैप्टर ने रविवार को द चांसरी पैवेलियन में प्रवासी राजस्थानी संगम – व्यापार से विकास तक का कर्टेन रेज़र आयोजित किया। 9 अगस्त 2026 को बेंगलुरु में कर्नाटक का सबसे बड़ा प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अध्यक्ष सचिन पांडिया ने कहा कि यह सम्मेलन प्रवासी राजस्थानियों की एकता, व्यापारिक सहयोग और राजस्थान के विकास के लिए जनआंदोलन है।

विजय सराफ ने बताया कि सम्मेलन में उद्योग, निवेश, स्टार्टअप, पर्यटन व शिक्षा को साझा मंच मिलेगा। संदीप जालान ने बिजनेस मीट, सुरेश पारीक ने डॉ. सतीश पूनिया के अभिनंदन और विजय सराफ ने ग्रैमी विजेता रिकी केज के लाइव कॉन्सर्ट की जानकारी दी।इस दौरान ओए देसी, प्राइड ग्रुप, ए-वन स्टील, बीकानेरवाला समेत प्रायोजकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम संयोजक सुरेश पारीक, हार्दिक सुराणा व अंजना शर्मा का विशेष योगदान रहा।नितेश टिबडेवाल ने धन्यवाद ज्ञापित कर 9 अगस्त के आयोजन में अधिक सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अपराध...

इस दौरान मोबाइल की स्क्रीन सुरक्षा कवर से ढकी रही। पत्रकारों ने स्क्रीन दिखाने का अनुरोध किया, लेकिन आयुक्त ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पुलिस का कहना है कि वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच जारी है तथा आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

शुभ लाभ की विशेष अपील

छह जिंदगियां चली गईं... मुख्य आरोपी भी मृत मिला। आखिर इस पूरे घटनाक्रम से किसे क्या हासिल हुआ? 2 पूरे परिवार उजड़ गये, मासूम बच्चों की चीखें हमेशा के लिए खामोश हो गईं और अब इस जघन्य हत्याकांड का मुख्य आरोपी भी मृत मिला है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल व्यवस्था से हैक्या यही अंत था? क्या इन छह जिंदगियों को समय रहते बचाया जा सकता था? यदि खतरे के संकेत पहले से मौजूद थे, तो उन पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई हुई? इन सवालों के जवाब निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच से मिलने चाहिए।

दो पुलिस अधिकारियों का निलंबन अपनी जगह है, लेकिन समाज यह भी पूछ रहा है कि क्या केवल निलंबन से छह मासूम जिंदगियां वापस आ जाएंगी? जवाबदेही केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि कहीं लापरवाही हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदारी तय हो और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित हो।

मुख्य आरोपी की मौत ने भी कई सवाल अधूरे छोड़ दिए हैं। पीड़ित परिवार अपने प्रियजनों को खो चुका है और अब आरोपी भी न्यायालय की प्रक्रिया का सामना नहीं कर सकेगा। ऐसे में पुलिस और जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है कि हर तथ्य, हर साक्ष्य और हर परिस्थिति को पूरी पारदर्शिता के साथ समाज के सामने रखें, ताकि किसी भी प्रकार की आशंका या भ्रम की गुंजाइश न रहे।

शुभ लाभ का मानना है कि यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि पूरे समाज और व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कानून-व्यवस्था का सर्वोच्च उद्देश्य अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समय रहते निर्दोष लोगों के जीवन की रक्षा करना होना चाहिए।

पत्रिका राज्य सरकार, पुलिस प्रशासन और समाज से अपील करती है कि पीड़ितों की सुरक्षा, संभावित खतरों की समय रहते पहचान, संवेदनशील शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई तथा जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यदि इस त्रासदी से व्यवस्था और समाज ने ठोस सबक लिया, तभी उन छह मासूम जिंदगियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी असहनीय पीड़ा से बचाया जा सकेगा।

6 कदम...

पहले तृणमूल कांग्रेस और फिर उद्धव ठाकरे की पार्टी में फूट के बाद संसद में एनडीए की ताकत बढ़ी है। साथ ही पिछले कुछ समय से यह चर्चा जोरों पर है कि आने वाले दिनों में सरकार राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संवैधानिक कानून पेश करेगी, जिसमें पुनर्सीमन और महिला आरक्षण बिल की काफी अधिक चर्चा है। संसद के मॉनसून सत्र से पहले पुनर्सीमन और महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी गुणा-गणित और हलचल तेज हो गई है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती संवैधानिक संशोधनों की होगी। संवैधानिक संशोधन के लिए उपस्थित और मतदान करने वाले कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन आवश्यक है, और इस हिसाब से राज्यसभा में पूर्ण संख्या में सदस्य मतदान करते हैं तो 166 सदस्य दो-तिहाई का आंकड़ा पूरा करते हैं।

दो-तिहाई बहुमत से अब भी पीछे है एनडीए

एनडीए दो-तिहाई बहुमत से अब भी पीछे है, लेकिन ऐसी चर्चा है कि कुछ क्षेत्रीय दल समर्थन दे दें या अनुपस्थित रहने पर एनडीए इस अंतर को पाट सकती है। इन दलों के संभावित समर्थन की चर्चा है

डीएमके (8 सांसद): हाल ही में इंडिया गठबंधन से डीएमके ने दूरी बनाई है। चर्चा है कि या तो पार्टी कानून का समर्थन कर सकती है या वोटिंग से दूर रह सकती है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (4 सांसद): सरकार का समर्थन करने की उम्मीद है, जिसमें संभावित पुनर्सीमन बिल भी शामिल है।

बीजू जनता दल (5 सांसद): महिलाओं के लिए आरक्षण की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए, पार्टी कानून का समर्थन कर सकती है या वोटिंग से दूर रहने का फैसला कर सकती है।

एक एनसीपी (एसपी)सांसद: कानून का समर्थन करने की संभावना है। साथ ही निर्दलीय सांसद परिमल नाथवानी भी एनडीए का समर्थन करेंगे। झारखंड में बीजेपी के समर्थन से उन्हें जीत मिली है।

नागरिकता...

नयदि जांच या सुनवाई निष्पक्ष नहीं होगी तो न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठेंगे। अदालत ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन हर स्तर पर अनिवार्य है।

और फिर आखिर में इसी आधार पर गौहाटी हाईकोर्ट के आदेशों को रद्द करते हुए बेंच ने इन मामलों को नए सिरे से सुनवाई के लिए संबंधित फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल (विदेशी न्यायाधिकरण) के पास वापस भेज दिया।

नागरिकता विवादों में 'फेयर प्रोसेस' क्यों है सबसे जरूरी

दरअसल, मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा वह बहुत अहम है। वह यह कि नागरिकता किसी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों से सीधे जुड़ा विषय है। इसलिए किसी को विदेशी घोषित करने से पहले पर्याप्त साक्ष्य, निष्पक्ष जांच और प्रभावी सुनवाई आवश्यक है। अदालत ने माना कि केवल तकनीकी आधार पर किसी की नागरिकता समाप्त नहीं की जा सकती। प्रत्येक दस्तावेज और साक्ष्य का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यदि प्रक्रिया ही दोषपूर्ण होगी तो अंतिम निर्णय भी न्यायसंगत नहीं माना जाएगा।

पासपोर्ट विवाद के बाद नागरिकता को लेकर बहस बढ़ी

देखा जाए तो हाल ही में पासपोर्ट और नागरिकता से जुड़े विवादों को लेकर जिस तरह से तमाम बहसों की शुरुआत हुई थी, उनका हल भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बरास्ते मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी भविष्य में फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल और प्रशासनिक एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती है। ऐसे में उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है कि इससे नागरिक अधिकारों की न्यायिक सुरक्षा और मजबूत होगी। साथ ही शीर्ष अदालत के इस फैसले से भविष्य के नागरिकता विवादों में न्यायिक मानकों को और अधिक मजबूत बनाने की ठोस दिशा मिल सकती है।

कोर्ट करे...

1. ज्ञानवापी मस्जिद विवाद (वाराणसी)

विवाद क्या है: वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहाँ मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

हिंदू पक्ष की मांग: ज्ञानवापी परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए। मस्जिद परिसर में नियमित पूजा की अनुमति मिले। परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए।

मुस्लिम पक्ष की मांग: ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बरकरार रखा जाए। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत नए दावों को खारिज किया जाए। मस्जिद में मुस्लिमों के नमाज के अधिकार सुरक्षित रहें।

कहाँ सुनवाई और मौजूदा स्थिति: वाराणसी जिला अदालत, इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में पूजा के अधिकार, एएसआई सर्वे, वजूखाना क्षेत्र और धार्मिक स्थल अधिनियम से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है।

2. श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद (मथुरा)

विवाद क्या है: मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर बने मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

हिंदू पक्ष की मांग: शाही ईदगाह मस्जिद हटाई जाए। पूरी भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट को सौंपी जाए। '' मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाए।

मुस्लिम पक्ष की मांग: मस्जिद को वैध धार्मिक स्थल माना जाए। 1968 के समझौते और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का पालन किया जाए। याचिकाएँ खारिज की जाएँ।

कहाँ सुनवाई और मौजूदा स्थिति: इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जमीन के स्वामित्व, सर्वे और 1968 के समझौते की वैधता से जुड़े कई मुकदमे लंबित हैं।

3. शाही जामा मस्जिद विवाद (संभल)

विवाद क्या है: संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष का दावा है कि यह प्राचीन हरिहर (हरि) मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

हिंदू पक्ष की मांग: मस्जिद का पुरातात्विक सर्वे कराया जाए। मंदिर के अवशेष मिलने पर मंदिर को बहाल किया जाए। हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिले।

मुस्लिम पक्ष की मांग: मस्जिद को ऐतिहासिक और वैध मस्जिद माना जाए। सर्वे और नए मुकदमों को रोका जाए।पूजा स्थल अधिनियम, 1991 लागू किया जाए।

कहाँ सुनवाई और मौजूदा स्थिति: चंदौसी सिविल कोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सर्वे, उसकी वैधता और संबंधित कानूनी याचिकाओं पर सुनवाई जारी है।

अब आगे क्या: नियमित सुनवाई से ही होगा अंतिम निर्णय

अब सुप्रीम कोर्ट में नियमित सुनवाई होगी और दोनों पक्ष अपने-अपने सबूत व दलीलें पेश करेंगे। फिलहाल दोनों पक्षों ने इनकार किया है। यदि भविष्य में दोनों पक्ष सहमत हों, तो अदालत फिर मध्यस्थता पर विचार कर सकती है। अब मामले का फैसला पूरी न्यायिक प्रक्रिया के बाद होगा, इसलिए समय लग सकता है। अब अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और फैसले से ही होगा।

सबका ...

जिसके तहत केवल ईरान के जहाजों या उसके ग्राहकों के जहाजों की आवाजाही प्रभावित होगी।

उन्होंने दावा किया कि अन्य सभी देशों को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग का स्वतंत्र और निष्पक्ष उपयोग करने की अनुमति होगी। ट्रंप ने ऐलान किया कि अब से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक के तौर पर जाना जाएगा। होर्मुज की सुरक्षा तय करने की जिम्मेदारी निभाने के लिए अमेरिका को सभी समुद्री कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क के रूप में भुगतान किया जाना चाहिए। यह राशि सुरक्षा व्यवस्था पर होने वाले खर्च की भरपाई के लिए होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि एक दिन पहले ईरान के प्रतिनिधियों के साथ करीब 11 घंटे तक बैठक चली थी और सभी मुद्दों पर सहमति बन गई थी, हालाँकि, उनके अनुसार बैठक खत्म होने के बाद ईरानी पक्ष ने दोबारा संपर्क कर कहा कि समझौते में कुछ बदलाव करने होंगे। ट्रंप ने कहा कि पिछले 47 वर्षों से ईरान इसी तरह लोगों को टालता रहा है और यह मुद्दा बहुत पहले ही सुलझ जाना चाहिए था।

ईरान ने दिया ट्रंप के बयान को कड़ा जवाब

ईरान की शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन में किसी भी तरह का अमेरिकी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करेगा। सैन्य कमान ने कहा कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर ईरान की अनुमति के बिना अमेरिका की किसी भी आवाजाही का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ईरान ने क्षेत्र के देशों को भी चेतावनी दी है कि यदि किसी देश ने इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ सहयोग किया, तो उसे ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल माना जाएगा। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रबंधन से जुड़े किसी भी एकतरफा कदम का मजबूती से विरोध किया जाएगा।

ईरान का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और उसके प्रबंधन को लेकर कई सख्त बयान दिए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरान ने यह भी कहा कि यदि मौजूदा तनाव युद्ध में बदलता है, तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। ऐसे किसी भी व्यापक संघर्ष की जिम्मेदारी अमेरिका और उसके सहयोगी देशों पर होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 14 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

फिनलैंड में लापता छात्र के परिजनों से मिले बंडारू, दिया हर संभव मदद का भरोसा

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार (13 जुलाई, 2026) को वनस्थलीपुरम की वैदेही नगर कॉलोनी पहुंचकर फिनलैंड में लापता बी.टेक छात्र मणीदीप रेड्डी गुज्जा के माता-पिता श्री मुत्यम रेड्डी और श्रीमती ममता रेड्डी से मुलाकात की। गौरतलब है कि मणीदीप रेड्डी गत 6 मई, 2026 से फिनलैंड में लापता हैं।

परिजनों से मुलाकात के दौरान श्री दत्तात्रेय ने मामले से जुड़े हालिया घटनाक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए आश्वासन दिया कि मणीदीप की सुरक्षित वापसी और उसकी तलाश के लिए उचित अधिकारियों के माध्यम से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व राज्यपाल ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और संकट की इस घड़ी में परिवार के साथ एकजुटता प्रकट करते हुए कहा कि मामला सुलझने तक वे लगातार परिवार के संपर्क में रहेंगे और उनका सहयोग करते रहेंगे।

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा 16 को, ऐतिहासिक छप्पन भोग दर्शन का भी होगा आयोजन

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर के बेगम बाजार स्थित 350 वर्ष पुराने ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ द्वारा मठ, खाकी अखाड़ा, जुमेरात बाजार में आगामी 16 जुलाई, 2026 (गुरुवार) को भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

इसी दिन शाम को ऐतिहासिक छप्पन भोग दर्शन भी होंगे। सोमवार को मठ परिसर में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान रथ यात्रा आयोजन समिति ने इस धार्मिक उत्सव की विस्तृत रूपरेखा साझा की। समिति के अनुसार, श्री जगन्नाथ रथ यात्रा गुरुवार, 16 जुलाई को दोपहर ठीक 12:01 बजे शुरू होगी।

इसके बाद, शाम 6:31 बजे से विशेष छप्पन भोग दर्शन का शुभारंभ होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ को अर्पित किए जाने वाले 56 प्रकार के पवित्र और भव्य व्यंजनों (भोग) के दर्शन करने का अनूठा अवसर प्राप्त होगा।

आयोजन समिति ने सभी भक्तों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ कमाने की अपील की है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की निस्वार्थ सेवा पूर्वजों के संस्कारों और राधे रानी की असीम कृपा का साक्षात स्वरूप : महेश गोयल

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्यों ने सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया तथा समाज में सेवा, सहयोग और करुणा का संदेश दिया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गोयल ने कहा कि सेवा का भाव किसी व्यक्ति में स्वतः उत्पन्न नहीं होता, बल्कि वह राधे रानी की असीम कृपा और पूर्वजों से प्राप्त श्रेष्ठ संस्कारों का परिणाम होता है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में सेवा, दान और परोपकार की परंपरा होती है, वहां से समाज के लिए समर्पित व्यक्तित्व तैयार होते हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी पावन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रतिदिन निस्वार्थ भाव से मानव सेवा का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि किसी भूखे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम है। जब सेवा बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा या दिखावे के की जाती है, तभी उसका वास्तविक महत्व होता है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य इसी भावना के साथ प्रतिदिन सेवा कार्यों में अपना समय, श्रम और सहयोग समर्पित कर रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। महेश गोयल ने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे सेवा संगठनों की आवश्यकता है, जो केवल शब्दों से नहीं बल्कि अपने कार्यों से मानवता की मिसाल प्रस्तुत करें। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रत्येक सेवा अभियान लोगों के मन में परोपकार, प्रेम और सामाजिक उत्त-रदायित्व की भावना को मजबूत कर रहा है।

उन्होंने सभी से अपने जीवन में सेवा को अपनाने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल , नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई तथा राधे रानी से प्रार्थना की कि ग्रुप की यह सेवा यात्रा निरंतर इसी प्रकार जनकल्याण के लिए आगे बढ़ती रहे।

आचार्य महाप्रज्ञ के जन्मदिवस पर तेयुप का शपथ ग्रहण व व्यक्तित्व विकास कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 107वें जन्मदिवस पर सिकंदराबाद के श्री आनंद जैन भवन में श्रद्धांजलि समारोह, तेरापंथ युवक परिषद का शपथ ग्रहण और व्यक्तित्व विकास कार्यशाला नई सोच, नई उड़ान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ज्ञान के उदय कोष थे। उन्होंने ध्यान, आगम संपादन और साहित्य सृजन में अतुलनीय योगदान दिया। मुनि श्री काव्य कुमारजी ने उन्हें प्रेरणा के महासागर बताया।

अभातेयुप अध्यक्ष पवन मांडोत ने कहा कि तेयुप युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त मंच है। उन्होंने संवाद कौशल, नेतृत्व और समय प्रबंधन पर युवाओं का मार्गदर्शन किया।

निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गोलछा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद दूगड़ को शपथ दिलाई। विनोद दूगड़ ने उपाध्यक्ष अतुल डूंगरवाल, प्रमोद भंडारी, मंत्री नीरज सुराणा समेत पूरी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में अभातेयुप उपाध्यक्ष अभिनंदन नाहटा, शाखा प्रभारी संदीप मुथा, सभा अध्यक्ष सुशील संचेती समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन मंत्री नीरज सुराणा व सह मंत्री जिनेन्द्र बैद ने किया।

स्काउट्स एंड गाइड्स फेलोशिप ने अनाथ बालिकाओं के लिए बढ़ाया सेवा का हाथ

एसडीजी-2 और एसडीजी-6 के तहत सन्निहिता गर्ल्स होम में सामुदायिक सेवा, जागरूकता एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण

हैदराबाद, 13 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) संख्या-2 (ज़ीरो हंगर/भूख-मुक्ति) तथा एसडीजी संख्या-6 (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता) के अंतर्गत 12 जुलाई 2026 को स्काउट्स एंड गाइड्स फेलोशिप, साउथ सेंट्रल रेलवे स्टेट (एससीआरएसजीएफ) द्वारा सिकंदराबाद की पार्क लाइन शाखा स्थित सन्निहिता गर्ल्स होम फाउंडेशन में सामुदायिक सेवा एवं दान (कम्युनिटी सर्विस एंड डोनेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह होम वर्तमान में 50 अनाथ बालिकाओं को आश्रय प्रदान करता है तथा लगभग 75 बालिकाओं की देखभाल, शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए कार्यरत है।

कार्यक्रम की शुरुआत स्काउट एवं गाइड प्रार्थना से हुई। एससीआरएसजीएफ के सचिव एवं एएचओ/मुख्यालय/एससीआर श्री यू. हरि कृष्णा ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए सेवा कार्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात एसजीएफ की नेशनल एडवाइजरी मेंबर श्रीमती विजयावाणी ने स्काउट्स एंड गाइड्स फेलोशिप के उद्देश्यों, सेवा गतिविधियों तथा समाज के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता पर विस्तार से जानकारी दी।

एससीआरएसजीएफ की प्रेसिडेंट-इन-चीफ एवं आईजी-सह-प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर ने प्रेरणादायी संबोधन देते हुए बच्चों एवं सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा सेवा और मानवता के मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

श्री आर.वी.एस. राघवा राव किशोर कुमार कर्री ने स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत कल्याण विषय पर एक ज्ञानवर्धक जागरूकता सत्र आयोजित किया।

सात नए सदस्यों का हुआ इन्वेस्टिचर (पद-ग्रहण) समारोह

इस अवसर पर स्काउट्स एंड गाइड्स फेलोशिप में सात नए सदस्यों का औपचारिक इन्वेस्टिचर (पद-ग्रहण) समारोह भी आयोजित किया गया।

शामिल होने वाले नए सदस्य हैं- एल. बी. शेखर बाबू, श्पी. सुधाकर राव, शिवा राज, नवीन कुमार कुराकुला, श्रीमती कैसेंड्रा जेवियरए श्रीमती परमेश्वरी शर्मा, श्रीनिवास

सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर ने सभी नए सदस्यों को औपचारिक रूप से एसजीएफ स्कार्फ पहनाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

सन्निहिता गर्ल्स होम फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने एससीआरएसजीएफ सदस्यों को होम का भ्रमण कराया तथा बालिकाओं के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम के सफल संचालन में श्रीमती मैरी जैकब, श्रीमती एस. आर. लक्ष्मी (कोषाध्यक्ष, एससीआरएसजीएफ), श्री श्रीकांत (सीएचआई, आरआरसी), श्री के. किशोर (सीएचआई, एससी स्टेशन) तथा उनके स्टाफ ने सक्रिय एवं समर्पित भूमिका निभाई, जिसके कारण कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

एससीआरएसजीएफ स्टेट की ओर से सभी सदस्यों, दानदाताओं, स्वयंसेवकों एवं शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने दान, सक्रिय सहभागिता एवं निस्वार्थ सेवा के माध्यम से इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

संगठन ने कहा कि सभी के अमूल्य सहयोग, समर्पण एवं सेवा भावना ने इस आयोजन को न केवल सार्थक बनाया, बल्कि मानवता की सेवा के प्रति स्काउटिंग एवं गाइडिंग की मूल भावना को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

एससीआरएसजीएफ ने सभी से आह्वान किया कि वे भविष्य में भी स्काउटिंग एवं गाइडिंग की सेवा भावना के साथ समाज और मानवता की निरंतर सेवा करते रहें।

जय गौ माता
जय भारत माता
विश्व मंगल गौशाला
सस्नेह आमंत्रण
आदरणीय महोदय,
आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि
विश्व मंगल गौशाला के तत्वावधान में
आषाढ़/हलहारिणी अमावस्या
मंगलवार, दि.14 जुलाई 2026 प्रातः 11-00 बजे से 6-00 बजे तक
शुभ स्थान : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
कार्यक्रम : गोमाता पूजा - भजन - भोजन प्रसादी
भोजन प्रसादी की व्यवस्था
श्री दीपारामजी सीरवी, धनलक्ष्मी हार्डवेर
श्री नारायणलालजी सीरवी, पवन हार्डवेर
श्री मीठालालजी प्रजापत, पदमावती स्टेशनरी
श्री रमेशजी दिनेशजी प्रजापत, माजीसा फैन्सी
श्री देवारामजी सीरवी, पूजा किराणा
श्री राजु भाई माली, रामदेव एम्पोरियम
श्री अमरारामजी सीरवी, तुलसी फैब्रिक
श्री दलारामजी सीरवी, माताजी टेक्सटाईल्स
श्री चम्पालालजी सीरवी, महादेव टेक्सटाईल्स
श्री मोहनलालजी सीरवी, महालक्ष्मी टेक्सटाईल्स
श्री महेन्द्रजी सुनिलजी कुमावत, हरेकृष्णा कुडिग
श्री लावुरामजी देवासी, कोमपल्ली
श्री गोविन्दजी कुमावत, भाग्यलक्ष्मी मोबाईल्स
श्री जामतारामजी चौधरी, रामदेव मोबाईल्स
श्री विकासजी कुमावत, धनलक्ष्मी मोबाईल्स
श्री संदीप भाई, अय्यप्पा किराणा स्टोर, कोमपल्ली
श्री मंगलारामजी कुमावत, किराणा स्टोर
श्री अमरारामजी सीरवी, किराणा स्टोर, दुलापल्ली
श्री मोहनलालजी कुमावत, केसरिया किराणा
श्री पेमारामजी सीरवी, हरिओम ग्लास, कोमपल्ली
श्री मदनलालजी चौधरी, महालक्ष्मी फुटवेर, कोमपल्ली
श्री बुधारामजी पुकजी कुमावत, रामदेव एलेक्ट्रिकल्स
श्री प्रकाशजी सीरवी, प्रजाय अपार्टमेन्ट्स, कोमपल्ली
हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी
श्री राजुरामजी प्रजापत, श्री आशाराम ज्वैलर्स, मेड्चल
भजन गायक
महिला भजन मंडली, कोमपल्ली
अतः आप से निवेदन है कि अधिक संख्या में पधार कर गौ-सेवा कर पुण्य के भागी बने।
-: स्थान -
विश्व मंगल गौशाला
सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
Scan for Location
सभी धर्म प्रेमी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्न लिखित बैंक खाते में जमा करावें या निम्न सूचित फोन नंबरों पर गूगल-पे कर सकते है।
GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
HDFC BANK, Kanajiguda Branch,
A/c No. 50200063938688 IFSC Code : HDFC0009429
संपर्क : 9346917593

सनातन धर्म'शाला

सभी के पूर्वज हिन्दू : रामदेव

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां). योग गुरु बाबा रामदेव के हिंदू राष्ट्र और देश के मुसलमानों के पूर्वजों को लेकर दिए गए बयान पर सियासी और धार्मिक बहस तेज हो गई है। बाबा रामदेव ने कहा कि हरिद्वार के पास स्थित देवबंद में वर्ष 2009 में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन सभी के पूर्वज एक ही हैं। उनके मुताबिक, देश में किसी को भी 'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा से डरने की जरूरत नहीं है।

रामदेव का बयान: हिंदू राष्ट्र से डरने की जरूरत नहीं, सभी के पूर्वज एक ही हैं

रामदेव ने कहा, हम सबके पूर्वज सनातनी हिंदू आर्यवैदिक थे। कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया तो मुसलमान कहां जाएंगे? मैं कहता हूं कि अपने पूर्वजों की परंपराओं को अपनाइए। दाढ़ी रखिए या मत रखिए, कोई भी पहनावा अपनाइए, लेकिन अपने पूर्वजों जैसा चरित्र रखिए। हिंदुस्तान में मुसलमानों और ईसाइयों के लिए कोई खतरा नहीं है।

अपने इस बयान को लेकर बाबा रामदेव ने आज तक से बात की। इस खास बातचीत में उन्होंने कहा कि, उनके वक्तव्य का उद्देश्य किसी धर्म विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि देश में एकता, समरसता और साझा सांस्कृतिक विरासत का संदेश देना है। आज तक से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सर्वोपरि है और वही राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा वैज्ञानिक सोच का मार्गदर्शन करता है।

बाबा रामदेव ने कहा कि 'भारत के अधिकांश मुसलमान खुद को परिवर्तित (कन्वर्टेड) मुसलमान मानते हैं, इसलिए उनके पूर्वज भी इसी भूमि की सनातन परंपरा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने राम, कृष्ण, शिव, हनुमान, बुद्ध, महावीर और गुरु नानक जैसे महापुरुषों के आदर्शों को सभी भारतीयों की साझा विरासत बताया। रामदेव ने कहा कि दुनिया में विभिन्न धर्म बाद में आए, लेकिन मानवता और भारतीय सभ्यता की जड़ें कहीं अधिक प्राचीन हैं।

उन्होंने कहा कि उनका संदेश किसी पर वर्चस्व स्थापित करने का नहीं, बल्कि सभी समुदायों को एक-दूसरे के प्रति सम्मान और प्रेम का भाव रखने का है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसका मूल भाव राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और नैतिक उत्थान से जुड़ा है। अपने बयान पर राजनीतिक विरोध का जिक्र करते हुए रामदेव ने कहा कि कुछ नेता राजनीतिक ध्रुवीकरण के कारण उनकी कही बात का गलत अर्थ निकाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें न राजनीति करनी है, न कोई पद चाहिए, बल्कि उनका उद्देश्य भारत को चरित्रवान, विकसित और विश्व के लिए आदर्श राष्ट्र बनाना है। शिया धर्मगुरुओं और अन्य संगठनों की प्रतिक्रियाओं पर उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार, ईश्वर, अल्लाह या परमात्मा प्रेम का संदेश देते हैं, भय का नहीं। उन्होंने शिया-सुन्नी, कैथोलिक-प्रोटेस्टेंट और अन्य सभी समुदायों से भी आपसी मतभेद भुलाकर एकता का संदेश अपनाने की अपील की।

मथुरा और काशी जैसे धार्मिक स्थलों से जुड़े सवाल पर बाबा रामदेव ने कहा कि भारत के कुछ प्राचीन और आस्था से जुड़े तीर्थों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है, लेकिन मंदिर-मस्जिद के नाम पर हर जगह विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि उनका पूरा सार्वजनिक जीवन हिंदू-मुस्लिम एकता, मानवता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देने में बीता है और वह आगे भी इसी विचार पर कायम रहेंगे। उनके अनुसार, भारत की मूल संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् और सब नर करहिं परस्पर प्रीति की रही है, इसलिए देश को संविधान, मानवता, पवित्र चरित्र और पारस्परिक सम्मान के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

आप दाढ़ी रखें या कटवा लें, लेकिन चरित्र पूर्वजों जैसा रखें

असल में बाबा रामदेव ने कहा था कि, हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है। इस बयान पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और शिया धर्मगुरु सैफ अब्बास ने पलटवार किया था। रामदेव ने हरिद्वार में देवबंद को लेकर अपने संबोधन में कहा, हमारे हरिद्वार के पास एक देवबंद है। मुझे 2009 में वहां आमंत्रित किया गया था। मैंने उनसे कहा था कि हमारे धर्म भले ही अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारे पूर्वज एक ही हैं।

रामदेव ने आगे कहा कि किसी को भी हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से डरने की जरूरत नहीं है। हम सभी के पूर्वज सनातनी हिंदू आर्य-वैदिक थे। ये हमारे सामने बिल्कुल साफ लिखा है। कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया, तो मुस्लिम कहां जाएंगे? बस अपने पूर्वजों की परंपराओं को अपना लीजिए। आप दाढ़ी रखें या कटवा लें, अपनी पसंद की कोई भी पोशाक पहनें, लेकिन अपना चरित्र अपने पूर्वजों जैसा रखें। हिंदुस्तान में मुसलमानों या ईसाइयों के लिए कोई खतरा नहीं है।

कांग्रेस और शिया धर्मगुरुओं का तीखा पलटवार: देश संविधान से चलता है

बाबा रामदेव के इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने प्रतिक्रिया दी थी, उन्होंने कहा, 'मैं भारत के संविधान में विश्वास रखता हूं। संविधान में हर किसी के विश्वास के लिए जगह है, लेकिन ये सब संविधान के दायरे के भीतर है, उससे अलग नहीं। संविधान में सब कुछ शामिल है, ये हर व्यक्ति और नागरिक के सोच की रक्षा करता है और सभी के धर्म को सुरक्षित रखता है। आप इसे जिस नाम से चाहें पुकार सकते हैं।'

खुर्शीद ने आगे सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर हर कोई सनातनी था, तो फिर यहां इस तरह की दरारें पैदा करने की कोशिशें क्यों की जा रही हैं? ये एक ऐसा सवाल है जो उन्हें दूसरों से चर्चा करने से पहले खुद से पूछना चाहिए कि वो कौन हैं और किस समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मैं कांग्रेस पार्टी की सोच के अलावा किसी और विचार से सहमत नहीं हूं। हमारी सोच वही है जो संविधान कहता है। हम संविधान में विश्वास करते हैं और पूरा देश इसमें विश्वास करता है; इसमें सभी लोगों की आस्था समाहित है।

वहीं, शिया धर्मगुरु सैफ अब्बास ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मुसलमान अल्लाह के अलावा किसी से नहीं डरता, जिसे वो भगवान कहते हैं। हमारे लिए ये देश बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए गए संविधान के तहत काम करता है।

सैफ अब्बास ने बहुसंख्यक आबादी का हवाला देते हुए कहा कि वो दावा करते हैं कि 80% आबादी होने के बावजूद हिंदू खतरे में हैं।

ये दावे पूरी तरह से हास्यास्पद हैं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने वाले हैं। देश की जनता सब कुछ जानती और देखती है, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने अयोध्या में देखा। हालिया घटनाओं के बाद अयोध्या ट्रस्ट में लोगों का भरोसा कम हुआ है।

सहेली संग शादी : ससुराल से पुलिस ने भगाया

मेरठ, 13 जुलाई (एजेंसियां).

मेरठ के जानी थाना क्षेत्र से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवती अपनी सहेली को उसकी ससुराल से वापस लाने का दावा करती दिखाई दे रही है। दावा किया जा रहा है कि दोनों युवतियां एक-दूसरे से प्रेम करती थीं और साथ रहना चाहती थीं। हालांकि इस पूरे मामले की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस या प्रशासन की तरफ से भी अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जानकारी के अनुसार, दोनों युवतियां जानी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बताई जा रही हैं। चर्चा है कि दोनों लंबे समय से एक-दूसरे के संपर्क में थीं और साथ रहने की इच्छा जताती रही थीं। यह भी दावा किया जा रहा है कि दोनों ने आपसी सहमति से शादी कर ली थी। हालांकि पूरे मामले और वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।बताया जा रहा है कि कुछ समय बाद एक युवती के

परिजनों को दोनों के रिश्ते की जानकारी मिल गई। इसके बाद करीब एक सप्ताह पहले उसकी शादी दिल्ली के रहने वाले एक युवक से करा दी गई। इसके बाद घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि दूसरी युवती पुलिस को साथ लेकर दिल्ली स्थित अपनी सहेली की ससुराल पहुंची और उसे अपने साथ वापस ले आई। इसी दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।वायरल वीडियो में दिखाई दे रही युवती कहती सुनाई दे रही है कि वह किसी लड़के से शादी नहीं करना चाहती थी। उसका कहना है कि उसने अपने परिजनों को यह बात समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी बात नहीं मानी गई। वीडियो में वह यह भी कहती है कि उसे अपने पति या ससुराल पक्ष से कोई शिकायत नहीं है।वीडियो में युवती आगे कहती है कि वह अपनी सहेली के साथ रहना चाहती है। वह तलाक लेने की इच्छा भी जाहिर करती है। साथ ही यह भी कहती है कि वह किसी के दबाव में यह बयान नहीं दे रही है और अपनी इच्छा से यह बात कह रही है।

फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस या प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। परिवार के सदस्य भी सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से बच रहे हैं। ऐसे में वायरल वीडियो और उससे जुड़े दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

हालांकि वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है और इसे लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा बनी हुई है। लेकिन जब तक पुलिस या प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आती, तब तक वायरल वीडियो में किए जा रहे दावों की पुष्टि नहीं की जा सकती।

पति पर मोबाइल अटैक, मौत

बलांगीर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बलांगीर जिले में एक युवक की मौत के बाद पारिवारिक विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के पिता ने अपनी बहू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि बेटे की मौत से पहले उसे अपनी बेटी से मिलने तक नहीं दिया गया।

मामला बलांगीर जिले के लक्ष्मीजोर थाना क्षेत्र के चिमिनी भाटीपाड़ा गांव का है। पुलिस के अनुसार, स्वप्नेश्वर मिश्रा को 9 जुलाई को तेज पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता प्रफुल्ल कुमार मिश्रा ने लक्ष्मीजोर थाने में लिखित शिकायत देकर बहू अनामिका सतपथी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 21 जून को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान अनामिका ने स्वप्नेश्वर पर मोबाइल फोन से हमला कर दिया था, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई थी और टांके लगाने पड़े थे। बाद में यह मामला पुलिस थाने में आपसी समझौते से सुलझा लिया गया था।

पिता का यह भी आरोप है कि घटना के बाद बहू के परिजन उसे और उसकी बेटी को अपने साथ ले गए। उनका कहना है कि अस्पताल में इलाज के दौरान स्वप्नेश्वर बार-बार अपनी बेटी से मिलने की इच्छा जताते रहे, लेकिन उन्हें अंतिम समय तक बेटी से नहीं मिलाया गया।वहीं, पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि स्वप्नेश्वर लंबे समय से लिवर की बीमारी से पीड़ित थे। 9 जुलाई को उन्हें तेज पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई और दूसरे अस्पताल ले जाने के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।पुलिस ने मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर अप्राकृतिक मौत (यूडी) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भीमा भोई मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.